आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3, अंक-02 फरवरी, 2024

भारत-नेपाल सम्बन्ध

भारत-नेपाल मजबूत मित्रता और सहयोगात्मक संबंध वालें पड़ोसी देश है। भारत और नेपाल एक खुली सीमा साझा करते हैं तथा दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। 1950 की भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि, भारत-नेपाल संबंधों का आधार निर्मित करती है।

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के आदर्शों, संप्रभु समानता और एक-दूसरे की महत्वाकांक्षाओं और संवेदनाओं के सम्मान के प्रति हमारे निरंतर समर्पण ने हमारे द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार के लिए एक ठोस आधार के रूप में कार्य किया है।

भारत और नेपाल भौगोलिक रूप से भले ही सीमाओं में बंटे हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध सीमाओं से परे हैं। दोनों के आध्यात्मिक दर्शन-चिंतन का मूल विश्व शांति और चराचर जगत का कल्याण है। भारत में सर्व पूज्य गुरु गोरखनाथ नेपाल के भी आदि गुरु हैं। नेपाल के गोरखा लोगों का 'गोरखा' नाम गुरु गोरखनाथ के नाम से ही संबंध रखता है।

भारत और नेपाल के आपसी संबंध बहुत गहरे हैं। भारत-नेपाल का संबंध रोटी-बेटी का है। इन संबंधों का मुख्य आधार सनातन धर्म एवं संस्कृति है। भारत और नेपाल, दोनों राष्ट्रों के संबंध को एक दूसरे के पारस्परिक सहयोग से और मजबूत बनाया जा सकेगा। राजनीतिक तंत्र, कूटनीतिक तंत्र, आर्थिक तंत्र दोनों ही राष्ट्रों की लगभग एक समान है।

भारत-नेपाल संबंध केवल राजनीतिक नहीं है बल्कि यह दोनों देशों के जनमानस का संबंध है। युवा शक्ति की भागीदारी से दोनों राष्ट्रों के मध्य व्यावहारिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। भारत और नेपाल को जोड़ने वाली भौगोलिक निकटता, ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंध और सामाजिक-आर्थिक अवसरों ने एक प्राकृतिक साझेदारी बनाई है जिसे दोनों देशों की समृद्धि और सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए आपसी समझ, विश्वास और संवेदनशीलता के साथ पोषित किया जाना चाहिए। दोनों पक्षों के लिए अपने संबंधों को और गहरा करने के पर्याप्त अवसर हैं और भविष्य आशावादी है।

नेपाल की पांच भारतीय राज्यों से भौगोलिक निकटता इसे आर्थिक आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार बनाती है। भारत और नेपाल विशाल जलविद्युत क्षमता वाली सीमा पार हिमालयी नदियों को साझा करते हैं। नेपाल चीन के संभावित आक्रमण के विरुद्ध एक बफर राज्य के रूप में कार्य करता है सीमा पार से घुसपैठ और नशीली दवाओं के व्यापार को रोकने में नेपाल का सहयोग महत्वपूर्ण है। नेपाल के असंख्य हिंदू और बौद्ध धार्मिक स्थल बड़ी संख्या में भारतीय तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं। दोनों देशों में लगभग 80 प्रतिशत हिंदू आबादी है, जो सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देती हैं। भारत और नेपाल के बीच अनूठी मित्रता है, जिसकी विशेषता खुली सीमा और रिश्तेदारी और संस्कृति पर आधारित लोगों के बीच गहरे संपर्क हैं। नेपाल पर भारत का ध्यान समावेशी आर्थिक विकास, परस्पर निर्भरता, संचार संपर्क, लोगों से लोगों के बीच संपर्क और विशेष रूप से जलविद्युत क्षेत्र में आर्थिक पूरकताओं का लाभ उठाने के लिए गैर-पक्षपातपूर्ण समर्थन के इर्द-गिर्द घूमता है। भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक संबंध स्वीकार्य सीमा के भीतर सुरक्षा चिंताओं को प्रबंधित करने में मदद करते हैं। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है, जो माल व्यापार में दो-तिहाई से अधिक का योगदान देता है। भारत उपकरण और प्रशिक्षण प्रदान करके नेपाल सेना के आधुनिकीकरण में सहायता कर रहा है। भारत सरकार विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए नेपाली नागरिकों को सालाना लगभग 3,000 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है। 2007 में काठमांडू में स्थापित स्वामी विवेकानन्द सेंटर फॉर इंडियन कल्चर भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करता है

विश्व में आमतौर पर दो पड़ोसी देशों के बीच रिश्ते कारोबारी और कूटनीतिक होते हैं। सीमाएं जुड़ी होती हैं, लेकिन भारत और नेपाल के बीच रिश्ता इन सबसे अलग है। यहां रिश्ता केवल दो देशों की सीमा के बीच नहीं है बल्कि यहां रहने वाले लोगों से जुड़ा है। धार्मिक, सांस्कृतिक और खान-पान की साझा विरासत इतनी सशक्त है कि कभी विवाद होता भी है तो लोगों के सीधे जुड़े होने के कारण वह सुलझ भी जाता है। यही इन दोनों देशों के बीच भाईचारे के इस रिश्ते की खूबसूरती भी है और शक्ति भी। भारत की अति महत्वपूर्ण उत्तरी सीमा से सटा नेपाल सामरिक दृष्टि से भी बेहद अहम है।

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

फरवरी माह विशेष

बसंत पंचमी

प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बाँटा जाता था उनमें वसंत लोगों का सबसे मनचाहा मौसम था। जब फूलों पर बहार आ जाती, खेतों में सरसों का फूल मानो सोना चमकने लगता, जौ और गेहूँ की बालियाँ खिलने लगतीं, आमों के पेड़ों पर मांजर (बौर) आ जाता और हर तरफ रंग-बिरंगी तितलियाँ मँडराने लगतीं। भर-भर भंवरे भंवराने लगते। वसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए माघ महीने के पाँचवे दिन एक बड़ा उत्सव मनाया जाता था जिसमें विष्णु, कामदेव, माता सरस्वती की पूजा होती हैं। यह वसंत पंचमी का त्यौहार कहलाता था। वसंत पंचमी का दिन ज्ञान, संगीत, कला, बुद्धि और विद्या की हिंदू देवी देवी सरस्वती को समर्पित है। वसंत पंचमी को विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में श्री पंचमी के साथ-साथ सरस्वती पूजा के रूप में भी जाना जाता है।

बसंत पंचमी का वैज्ञनिक महत्व : बहुत कम लोग ये जानते है कि बसंत पंचमी का वैज्ञनिक महत्व भीं है, आपको बता दें कि अगर विज्ञान के दृष्टि से देखें तो पीले रंग का बहुत महत्व है, पीला रंग उत्साह बढ़ाता है और दिमाग को सक्रिय रखता है,यह रंग मन को मजबूत करता है, ये रंग हमारे नर्वस सिस्टम पर असर डालता है, जिससे दिमाग में सेरोटोनिन हॉर्मोन निकलता है, इसके साथ ही साथ पीला रंग मानसिक तनाव को भी दूर करता है, वहीं अगर फलों की बात करें तो पीले रंग की सब्जियां और फल कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार होते हैं, कई पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मां सरस्वती को समर्पित यह दिन बसंत मौसम की शुरुआत का प्रतीक है।

1. कफ का संतुलित रखने के लिए वसंत ऋतुचर्या : कफ स्निग्ध 'चिकना', ठंडा और गुरु 'भारी' गुणों का होने से वसंत ऋतु में हमारे आहार और आचरण से ये गुण न बढकर उनका संतुलन बना रहे, इस प्रकार की व्यवस्था है वसंत ऋतुचर्या।

2. कफ का निर्माणकारी पानी : मूलतः 'कफ' शब्द की व्याख्या ही 'केन फलति इति कफः।' अर्थात पानी। पानी से जो फलित अर्थात निर्मित होता है, वह कफ है। इसके लिए इन दिनों में पेयजल में प्रतिलिटर पौ चम्मच सूंठ अथवा नागरमोथा का चूर्ण डालकर उसे पीने से कफ नहीं बढता। गरमी के कष्टवाले व्यक्ति सूंठ की अपेक्षा नागरमोथा के चूर्ण का उपयोग करें।

3. कफनाशक दलहनः आयुर्वेद में दलहन को 'शिंबी अनाज' कहा गया है। इसके गुण विशद करते हुए आचार्य कहते हैं, 'मेदःश्लेष्मास्रपित्तेषु हितं लेपोपसेकयोः।' अर्थात दलहन अनावश्यक मेद एवं कफ को न्यून करने हेतु, साथ ही रक्त एवं पित्त को लाभकारी है। दलहन के आटे का उपयोग उबटन की भांति करना भी हितकारी है। जिन्हें दलहन का पाचन नहीं होता, वे लोग अपने आहार में मूंग एवं मसूर को अंतर्भूत करें, क्योंकि ये दलहन पाचन के लिए हल्के होते हैं।

4. अनाज पुराना अथवा भुना हुआ हो : आयुर्वेद में ऐसा बताया गया है कि 'नवधान्यमभिष्यन्दि लघु संवत्सरोषितम्।' अर्थात नया अनाज शरीर में स्राव (कफ) बढ़ाने वाला तथा पाचन के लिए भारी होता है, तो एक वर्ष पुराना अनाज उसके विपरीत गुणों वाला अर्थात पाचन के लिए हल्का होता है। कफ न बढ़े और बढ़ा हुआ कफ न्यून हो इसके लिए इस प्रकार का अनाज खाएं। पुराना अनाज उपलब्ध नहीं हुआ, तो नए धान्य को भूनकर खाने से ही वही लाभ मिलता है।

5. व्यायाम करें : व्यायाम के कारण कफ न्यून होता है। इसके लिए शास्त्र में यह बताया गया है कि वसंत ऋतु में अर्धशक्ति से व्यायाम करें। व्यायाम के समय मुंह से सांस लेने की स्थिति बनने पर उस स्थिति को आधी शक्ति का उपयोग किया गया है, ऐसा कहा जाता है। रुक-रुककर अथवा प्रतिदिन 1 घंटा व्यायाम करें।

6. दिन में सोना वर्जित : 'रात्रौ जागरणं रूक्षं स्निग्धं प्रस्वपनं दिवा।' अर्थात रात में जागने से शरीर में रुक्षता, तो दिन में सोने से स्निगता बढती है। दिन में सोने से शरीर में अनावश्यक स्राव उत्पन्न होकर उससे गले में कफ बनना, शरीर भारी होना, बुद्धि का धीमा होना जैसे विकार होते हैं। वसंत ऋतु में दोपहर में सोना टाल दें। वयस्क, रोगी और बहुत दुर्बल व्यक्तियों के लिए दोपहर में सोना स्वीकार्य है।

7. कफ के लिए सबसे अच्छी दवा शहद : शहद कफ के लिए सबसे अच्छी दवा है। इस ऋतु में सर्दी जुकाम खांसी होने पर थोड़ी देर शहद को चाटें। दिन भर में 5-6 चम्मच शहद का सेवन करें।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

हमारी विरासत

वररुचि (कात्यायन)

वररुचि कात्यायन, पाणिनीय सूत्रों के प्रसिद्ध वार्तिककार हैं। इनके वार्तिक पणिनीय व्याकरण के लिए अति महत्वपूर्ण सिद्ध हुए है। इन वार्तिकों के बिना पाणीनीय व्याकरण अधूरा रह जाता है। इन वार्तिकों के आधार पर पतंजलि ने महाभाष्य की रचना की। वे नौ शुल्ब सूत्रों में से एक के रचयिता भी हैं। इनके पिता, माता, गुरु के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। इनका जन्म स्थान दक्षिण भारत है। इनका काल 2600 ई. पू. जो अनुमानित हैं। इनकी शिक्षा तक्षशिला विश्वविद्यालय मे हुई थी। इनकी वार्तिक (व्याकरण वृत्ति) एवं स्वर्गारोहित (काव्य) नाम रचनायें है। पुरुषोत्तमदेव ने अपने त्रिकांडशेष अभिधानकोश में कात्यायन के ये नाम लिखे हैं। कात्य, पुनर्वसु, मेधाजित् और वररुचि। 'कात्य' नाम गोत्रप्रत्यांत है, महाभाष्य में उसका उल्लेख है। पुनर्वसु नाम नक्षत्र संबंधी है, 'भाषावृत्ति' में पुनर्वसु को वररुचि का पर्याय कहा गया है। मेधाजित् का कहीं अन्यत्र उल्लेख नहीं मिलता। 'कथासरित्सागर' के अनुसार यह बचपन से ही बड़े बुद्धिमान थे। इनसे प्रतिस्पर्धा करके पाणिनि ने शंकर को प्रसन्न किया और इनको परास्त किया। अष्टाध्यायी के लगभग 1500 सूत्रों पर 4000 वार्तिक लिखे गए हैं। इन्होंने पाणीनी के सूत्रों की सूक्ष्म दृष्टि से आलोचना कर के उसकी कमियों को दूर करने का प्रयास किया हैं। इन्होंने पाणीनी व्याकरण को अधिक तथ्यानकुल एवं समयानकुल बनाने का प्रयास किया, तथा इसकी अपूर्णता को दूर करने का प्रयास किया। वर्तिकाकर के वचनों मे भाषा के विकास की झलक एवं आलोचना मे अनुसंधान की प्रवृत्ति दृष्टिगोचर होती है।

अतिथि व्याख्यान

ड्रोन आधारित कृषि विषय पर सम्बोधित करते हुए ई. अजय कुमार यादव

दिनांक 02 फरवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में 'ड्रोन आधारित कृषि' के विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित ई. अजय कुमार यादव, (ड्रोन प्रशिक्षक, ड्रोनियर एविगेशन) ने छात्रों को संबोधित करते हुए कृषि में ड्रोन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने ड्रोन के कृषि में उपयोग को बताते हुए कहा की ड्रोन से फील्ड सर्वे, इंसेक्टिसाइड, पेस्टीसाइड व नैनो यूरिया का छिड़काव एवं जियोफेंसिंग भी की जा सकती है। उन्होंने भारत सरकार द्वारा संचालित नमो ड्रोन दीदी व ड्रोन से संबंधित अन्य योजनाओं की

कृषि संकाय

विस्तृत जानकारी दी, जिससे युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि किस तरह से विद्यार्थी और ग्रामीण युवा इसका लाभ ले सकते हैं।

यह कार्यक्रम संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकाश कुमार यादव, डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. प्रवीण सिंह एवं स्नातक कृषि विज्ञान प्रथम व द्वितीय वर्ष के समस्त छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के दो दिवसीय श्री राम प्राण–प्रतिष्ठा, वेश भूषा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांक 09 फरवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के दो दिवसीय श्री राम प्राण–प्रतिष्ठा, वेश भूषा प्रतियोगिता में प्रभु श्री राम के जीवन दिव्यता को विद्यार्थियों ने सजीव प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया।

भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के प्रथम दिन श्री राम प्रसंग वेश भूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्री राम की प्राण–प्रतिष्ठा में भक्तो का भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, श्री हनुमान जी द्वारा संजीवनी पर्वत और श्री राम महान ज्ञानी रावण के गुणों का सम्मान करते हुए प्रसंग चरितार्थ किया।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. जी ने कहा कि प्रभु राम जी का जीवन प्रसंग जीवन कर्म क्षेत्र है। पिता का पुत्र से पितृत्व भाव, मातृत्व वात्सल्य, भाईयो के प्रति स्नेह, शत्रु और मित्र के प्रति संबंधों त्याग, तपस्या और समर्पण का अद्भुत संगम चरितार्थ होता है। सम्पूर्ण रामायण के एक–एक पात्र और प्रसंग आत्म विश्वास और सम्मान के प्रति मूर्ति है।

आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्यव्यक डॉ. अखिलेश दूबे ने कहा कि श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला के वेशभूषा प्रतियोगिता विषय पर संजीव प्रसंग कर छात्र–छात्राएं आयोजन को मूर्त रूप को

साकार कर रहे है। इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यात्मिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है ।

संयोजक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्री राम के प्राण–प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष का उल्लास है। जिसमें भारत अंतरिक्ष सप्ताह के तहत श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विद्यार्थी प्रभु श्री राम जी के जीवन प्रसंगों को वेश भूषा से सजीव चित्रण कर सभी में भक्ति का रस में डूबो दिया है। प्रभु श्री राम के जीवन को स्वयं में उतार कर हर प्रसंग से प्रेरणा ग्रहण करने की शिक्षा मिलती है। प्रभु श्री राम के प्रति जन मानस के आस्था को प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से आयोजित विविध प्रतियोगिताओं पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दिया।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंह, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्री राम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया।

प्रतियोगिता को पूर्ण कराने में आयुर्वेद कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण हंदूर, सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ. नवीन के, डॉ. विन्नम शर्मा, डॉ. सर्वभौम, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. रश्मी पुष्पन्न, डॉ. मिनी के. वी., डॉ. देवी नय्यर ने सहयोग किया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स उपस्थित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग कॉलेज

दिनांक 11 फरवरी, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ तीन दिन नर्सिंग की भारतीय प्रणाली पर विशद मंथन करेंगे। इसके लिए सोमवार (12 फरवरी) से बुधवार (14 फरवरी) तक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट व विशिष्ठ अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक व उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जी. एन. सिंह करेंगे।

यह जानकारी गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा ने दी। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेई व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव भी मौजूद रहेंगे। डॉ. अजीथा ने बताया कि गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा आयोजत यह प्रथम अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी है। संगोष्ठी में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली और नर्सिंग के प्रति इसके योगदान, स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का योगदान, भारतीय ज्ञान प्रणाली का वैश्वीकरण, योग्यता आधारित नर्सिंग शिक्षा तथा स्वास्थ्य केंद्रों में नर्सो की भूमिका जैसे विषयों पर गहन मंथन होगा।

संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में चेयरपर्सन प्रो. एमएलबी भट्ट और को–चेयरपर्सन गुरू श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस की प्रोफेसर डॉ. मिनी के होंगी।

अलग–अलग सत्रों में एम्स गोरखपुर में नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रेणुका, एम्स के सहायक आचार्य डॉ. देवी गाटी, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. रोहित कुमार तिवारी, गुरू श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., यूएसए से आने वाले डॉ. ओंकारनाथ सिंह, बीआरडी मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. अलका सक्सेना, एमसीएच हॉस्पिटल किंगडम ऑफ सऊदी अरब की क्लिनिकल नर्स एजुकेटर गायत्री जयापुननुराज, यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी में नर्सिंग सलाहकार डॉ. नीतू देवी, युनिवर्सिटी ऑफ बुरामी ओमान में प्रवक्ता डॉ. सुमति शशिकला, अल्पसंख्यक एवं वक्फ विभाग यूपी की अपर मुख्य सचिव श्रीमती मोनिका गर्ग, गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. डी. सी. ठाकुर और क्लीवीलैंड क्लीनिक फ्लोरिडा, यूएसए में नर्सिंग मैनेजर लिली जोसेफ का विशेष व्याख्यान होगा।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग कॉलेज

प्रथम दिवस - उद्घाटन सत्र

सोविनियर पुस्तक का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. एम.एल.बी. भटट्, माननीय कुलपति महोदय, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेन्द्र भारती जी एवं प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा

उद्बोधन देते हुए मुख्य अतिथि डॉ. एम.एल.बी. भट्ट जी

दिनांक 12 फरवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. एम. एल.बी. भट्ट, पूर्व कुलपति किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, अधिष्ठाता प्रशासनिक डॉ. राजेंद्र भारती, डॉ. अर्चना वर्मा, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव एवं नर्सिंग प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. एम.एल.बी. भट्ट, पूर्व कुलपति किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ ने कहा की नर्सिंग के क्षेत्र में अन्वेष्कीय दृष्टि भविष्य की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय बहू व्यापी है। चिकित्सा में स्किल डेवलपमेंट कर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ इंफ्राइस्ट्रेक्चर के साथ तकनीकी रूप से भी विद्यार्थियों को सशक्त किया जा सकता है। शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्होंने कहा की अगर आप दृढ़ संकल्प से किसी भी कार्य को करते है तो किसी भी लक्ष्य को साधा जा सकता है। अपने कार्य से प्यार कीजिए लक्ष्य को प्राप्त करने की पिपासा आजीवन बनी रहे।

विशिष्ट अतिथि भारत के पूर्व औषधि महानियंत्रक व उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जी. एन. सिंह ने ऑनलाइन ब्याख्यान में शुभाशीष देते हुए कहा कि नर्सिंग पवित्र सेवा का क्षेत्र है। पेशेवर नर्सिंग के सेवार्थ लोगो की विश्व व्यापी आवश्यकता है। नए भाव, विचार विषय इस अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के मंथन से निकलेगा। उच्च शिक्षा में भी नर्सिंग को समृद्ध करने की तैयारी चल रही है। नर्सिंग में नए प्रस्ताव पारित किया जाए। जिन जगहों पर नर्सिंग की प्रबल संभावना है वहां नए रूप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। वर्चुवल रूप से भी इस सेमिनार को जन–जन तक पहुंचाया जाए। गुरु गोरक्षनाथ नर्सिंग कॉलेज नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। नर्सिंग के अनंत विषयों पर चिंतन मनन से नए रास्ते निकलेंगे। उत्तर प्रदेश नर्सिंग के क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ठ पहचान स्थापित करेगा। चिकित्सा के क्षेत्र में महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय विश्व व्यापी स्तर पर शिक्षा के नए अध्याय को लिखेगा। जापान के साथ सरकार चिकित्सा सेवा में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास कर रही है जिससे यहां के विद्यार्थी नर्सिंग में अपनी सेवा दे सकने में सफल होंगे।

प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती ने कहा की ये एक महत्वपूर्ण समय है जब हम नर्सिंग के इतिहास में एक नई अध्याय को लिखने जा रहे है। इस अंतराष्ट्रीय सेमिनार से निश्चय ही नए आयाम के नए रास्ते खुलेंगे। नर्सिंग में नर्सेज को रोगी के प्रति मातृत्व दृष्टि रखनी चाहिए। बड़े सपने देखने के लिए दिन में खुली आंखों से सपने देखिए बैचनी इतनी हो की जब तक लक्ष्य न मिले तब तक कार्य के प्रति संकल्पित रहिए।

विषय प्रवर्तन डॉ. अर्चना वर्मा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डिपार्टमेंट ऑफ न्योरोलोजी एम्स बरेली ने कहा की भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद, योगा आदि का स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्ण योगदान है। चिकित्सा के साथ तकनीक पर शोध दृष्टि रखी जाए तो स्वास्थ्य सेवा को और भी प्रतिष्ठत किया जा सकता है। नर्सिंग में पुराने रोगों से लड़ने के लिए भी शीधार्थियो को गहन अध्ययन किया जा सकता है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने नर्सिंग के चुनौतियों पर कहा कि नर्सिंग की ये नई पौध भविष्य के लिए वरदान होगा। आज विश्वविद्यालय से चिकित्सा की तकनीकी शिक्षा ग्रहण कर नर्सेज भविष्य में किसी भी आपात काल में सहयोग के लिए स्वयं को तैयार करें। भारत की प्राचीन चिकित्सा द ग्रेट वॉल की तरह से अभेद रहा है। भारत ने सम्पूर्ण विश्व को प्राचीन चिकित्सा विद्या भेट किया है। भारतीय ज्ञान परंपरा, दर्शन, संस्कृति और सभ्यता का केंद्र है। भारतीय ज्ञान परंपरा सदैव समृद्ध रही है। तकनीकी रूप से शिक्षा के साथ युद्ध में भी नर्सेज की भूमिका चुनौती पूर्ण होती है। हमारे यहां घाव पर कपड़े से मरहम पट्टी होती थी, पाश्चात्य ने उसे ग्रहण कर बैडेज पट्टी का नाम दे दिया। जड़े हमारी समृद्ध रही है उसमे नई अन्वेषकी दृष्टि में विकसित करने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर है। जो नए टेक्नोलॉजी से चिकित्सा में नए प्रयोग कर आपात चुनौतियों के लिए हर पल तैयार रह सकते हैं।

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा ने कहा की अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी पर कहा की संगोष्ठी में हो रहे मंथन से निश्चय ही नए आयाम के द्वार खुलेंगे। शोध की दृष्टि से भी भारतीय ज्ञान परंपरा में चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा दायक होगा।

डॉ. अजीथा ने कहा कि गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग द्वारा आयोजित यह प्रथम अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी है। संगोष्ठी में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली और नर्सिंग के प्रति इसका योगदान स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का योगदान, भारतीय ज्ञान प्रणाली का वैश्वीकरण, योग्यता आधारित नर्सिंग शिक्षा तथा स्वास्थ्य केंद्रों में नर्सों की भूमिका पर गहन मंथन हो रहा है

प्रथम तकनीकी सत्र में चेयरपर्सन डॉ. एम. एल. भट्ट और को चेयरपर्सन डॉ. मिनी के प्रोफेसर गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज ने प्रथम सत्र में शिधार्थियो का मार्गदर्शन किया।

द्वितीय सत्र में चेयरपर्सन डॉ. रेणुका के. प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज एम्स ने नर्सिंग शिक्षा और सेवाओं के भविष्य पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा की शिक्षा और नर्सिंग सेवाओं में वैश्विक परिवर्तन हो रहा है। प्रौद्योगिकी के साथ नर्सिंग में नवाचार की आवश्यकता है। वैश्विक परिवर्तन, आभासी वास्तविकता और एकीकृत वास्तविकता में परिवर्तन बाद में आ सकते हैं। परंपरागत और तकनीकी ज्ञान के संतुलन से चिकित्सा में सेवा भाव को समृद्ध किया जा सकता है। आईएनसी नर्सिंग के लिए नए विचारों, विचार प्रौद्योगिकी और नवाचार पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पहाड़ी एम्बुलेंस, ट्रेन, एम्बुलेंस, रोबोटिक नर्सिंग आदि कई उभरते हुए नर्सिंग में अभिनव प्रयोग हो रहा हैं।

को–चेयरपर्सन डॉ. देवीगा टी सहायक प्रोफेसर एम्स गोरखपुर ने शोधार्थियों के शोध वाचन पर मार्गदर्शन किया। डॉ. देवीगा टी ने कहा की नर्सिंग एक वैश्विक पेशा है, नर्सिंग सेवा में महिला नर्सों के साथ पुरुष नर्स भी कदम से कदम मिलाने को तैयार हो रहे है। स्वास्थ्य सेवा को समृद्ध करने के उद्देश्य से भारत सरकार निरंतर नवाचारों से सृजन के मार्ग प्रशस्त कर रहे है । नर्सिंग सेवाओं में क्लीनिक विशेषज्ञता, अंतर.पेशेवर सहयोग, जो डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के साथ सहयोग है, उच्च शिक्षा और ऑनलाइन कार्यक्रमों पर ट्रोलिंग में उच्च डिग्री पाठ्यक्रम, ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने वाली नर्सें प्रौद्योगिकी का अच्छी तरह से उपयोग करती हैंए नर्सों को सभी में पर्याप्त रूप से सक्षम होना चाहिए।

संगोष्ठी का शुभारंभ मां शारदे गीत से हुआ । संगोष्ठी में आए सभी अतिथियों को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अतिथियों का स्वागत श्वेता अलबर्ट ने किया। तकनीकी सत्र श्रीमती जेनी डी और अक्षय एडवर्ड ने किया। संगोष्ठी में प्रमुख रूप से शोधार्थी शुभम, सुश्री साक्षी शर्मा, ज्ञान लियोनार्ड डी, सुश्री शालू जायसवाल, काजल मौर्या, श्रीमती सोमा रानी दास ने नर्सिंग के भविष्य और चुनौतियों पर शोध वाचन किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग कॉलेज

द्वितीय दिवस

शोधार्थियों को नर्सिंग की जानकारी देती हुई चेयर पर्सन डॉ. अलका सक्सेना, प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर

शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करती हुई मुख्य अतिथि डॉक्टर नीतू देवी, नर्सिंग कंसल्टेंट यू.पी.एस.एम.एफ.ए. लखनऊ

दिनांक 13 फरवरी, 2024 को महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग द्वारा संयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हेल्थ केयर, स्वास्थ्य में नर्सेस की भूमिका पर विषय विशेषज्ञों ने शोधार्थी एवं विद्यार्थियों से साझा किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. रोहित कुमार तिवारी सहायक आचार्य मदन मोहन मालवीय तकनीक विश्वविद्यालय गोरखपुर ने कहा की कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वास्थ्य सेवा को बहुव्यापी स्तर पर प्रभावित कर रहा है। चिकित्सा प्रदाताओं, अस्पतालों, फार्मास्युटिकल में काफी बदलाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से हो रहा है। जैव प्रौद्योगिकी कंपनियां और स्वास्थ्य सेवा उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। बेहतर मशीन लर्निंग (एमएल) एल्गोरिदम, डेटा तक अधिक पहुंच, सस्ता हार्डवेयर और 5जी की उपलब्धता ने स्वास्थ्य सेवा उद्योग में एआई के बढ़ते अनुप्रयोग में योगदान दिया है, जिससे परिवर्तन की गति तेज हो गई है। एआई और एमएल प्रौद्योगिकियां भारी मात्रा में

स्वास्थ्य डेटा– स्वास्थ्य रिकॉर्ड और नैदानिक अध्ययन से लेकर आनुवंशिक जानकारी तक को छान सकती हैं और मनुष्यों की तुलना में बहुत तेजी से इसका विश्लेषण कर सकती हैं।

हेल्थकेयर संगठन में रोगी के देखभाल एवं अन्य प्रक्रियाओं की दक्षता में सुधार करने एआई विभागों और बिलिंग के बीच सटीक कोडिंग और जानकारी साझा करने में भी मदद कर सकता है। एआई के उपयोग से सहज हैं। आई वर्चुअल नर्स असिस्टेंट जो एआई संचालित चौटबॉट, ऐप्स या अन्य इंटरफेस हैं–का उपयोग दवाओं के बारे में सवालों के जवाब देने, डॉक्टरों या सर्जनों को रिपोर्ट अग्रेषित करने और मरीजो की देखभाल में उपयोगी है।

विशिष्ठ व्याख्याता यू.एस.ए. से डॉ. ओमकार नाथ सिंह ने कहा की भारतीय चिकित्सा ज्ञान को कौशल और तकनीकी शिक्षा से समृद्ध किया जा सकता है। चिकित्सा में नर्सेज के भविष्य पर उन्होंने कहा की विश्व व्यापी स्तर पर नर्सेज की मांग है। हर चुनौती को स्वीकार कर स्वयं को चिकित्सा सेवा भाव से समर्पित करना है इस क्षेत्र में रोजगार की अनंत संभावनाएं है।

विशेष व्याख्याता सुश्री पायस सूबेदी नर्स प्रैक्टिशनर यू.एस.ए. ने वर्चुवल माध्यम से जुड़ कर नर्सेज को शिक्षा के साथ रोजगार कैरियर पर केंद्रित होने के प्रेरणा दिया। प्रथम सत्र का संचालन सुश्री श्वेता ने किया। शोध आख्यान ग्लोबलाइजेशन ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम पर शोधार्थी नैंसी मिश्रा, ममता चौरसिया, आंचल पाण्डेय शोध वाचन किया। चेयर पर्सन प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

चतुर्थ सत्र की चेयर पर्सन डॉ. अलका सक्सेना प्रधानाचार्य गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ने कहा कि नर्सिंग में ठीक से करो, अच्छे से करो यानी काम के प्रति जागरूक और उत्साहित रहिए। डिग्री के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी है। काम की योग्यता, संतुलन बनाए रखिए, चिकित्सा में प्रवीण ज्ञान कौशल प्रशिक्षण की भी आवश्यकता है। व्याख्यान किया। विशेष व्याख्यान श्रीमती गायत्री जयापुनु राज द्वारा सऊदी अरब से ऑनलाइन जुड़ी इस सत्र का संचालन श्रीमती सोमा रानी दास द्वारा किया गया।

पंचम सत्र में मुख्य अतिथि डॉक्टर नीतू देवी नर्सिंग कंसल्टेंट यू.पी.एस.एम.एफ.ए. लखनऊ, इन्होंने एजुकेशनल गवर्नेंस मॉर्डन के विषय में व्याखान करते हुए सबको बढ़ाइया दी। विशेष व्याखान डॉक्टर सुमथि सासिकला यूनिवर्सिटी ऑफ़ बुरैमी, ओमान, इन्होंने नर्सिंग एजुकेशन सिस्टम के इवोल्यूशन को बताया और ग्लोबल ट्रेंड्स इन नर्सिंग गवर्नेंस को व्याख्यान किया। इस तकनीकी सत्र में श्रीमती ममता, प्रचारक सुश्री दीक्षा गुप्ता, तकनीकी अक्षय एडवर्ड।

षष्टम् सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. डी. सी. ठाकुर डायरेक्टर, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, गोरखपुर, मुख्य अतिथि श्रीमती लिली जोसेफ नर्स मैनेजर क्लीवलैंड क्लिनिक फ्लोरिडा ए. यू.एस.ए. इन्होने थीम को व्याख्यान करते हुए एस्पेक्ट ऑफ नर्स रोल इन हेल्थ सेंटर को भी व्याख्यान किया। तकनीकी सत्र सुश्री सोसन दान, प्रचारक सुश्री नैना सिंह, तकनीकी माध्यम अक्षय द्वारा एवं संगोष्ठी में प्रमुख रूप से शोधार्थी सुश्री अंचल गुप्ता, सुश्री शिवांगिनी दुबे, सुश्री सोसान दान द्वारा किया गया।

दीप प्रज्ज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग कॉलेज

तृतीय दिवस - समारोप सत्र

दीप प्रज्ज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में प्रज्ज्वलित दीप के साथ नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

संगोष्ठी में नर्सिंग छात्राओं को सम्बोधित करती हुई मुख्य अतिथि मोनिका एस गर्ग

दिनांक 14 फरवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में आयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. डी. सी. ठाकुर, निदेशक गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, गोरखपुर एवं विशेष अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण एवं मुस्लिम वक्फ बोर्ड, उत्तर प्रदेश शासन की अपर मुख्य सचिव मोनिका एस गर्ग विश्वविद्यालय के कुलपति, मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेई, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने नर्सिंग के विद्यार्थियों को सेवा संकल्प का दीप अनुष्ठान कर संगोष्ठी को चिकित्सा सेवा के लिए समर्पित किया।

संगोष्ठी के समापन समारोह में उत्तर प्रदेश शासन की अपर मुख्य सचिव मोनिका एस गर्ग ने संगोष्ठी में आए शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को बसंत पंचमी की शुभ आशीर्वाद देते हुए चिकित्सा में समर्पण, सेवा और कर्तव्य निष्ठा का संकल्प दिलाया।

मुख्य अतिथि मोनिका एस. गर्ग जी ने कहा की नर्सेज सेवा में रोजगार की अनंत संभावनाएं है नर्सेज सेवा संकल्प भाव से इस क्षेत्र में स्वयं को उतारे जिससे चिकित्सा जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन आ सके। समाज और

पीड़ित व्यक्ति आपके प्रति आशान्वित रहता है की नर्स दीदी है तो उसे जीवन का वरदान मिल जायेगा।

आपको संकल्प लेना है की मरीज के इस विश्वास पर खरा उतरना है। विशेष अतिथि डॉ. मोनिका गर्ग नें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारभूत सिद्धांत के बारे में सभी को जानकारियां देते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग मेडिकल क्षेत्र में किस प्रकार कर के चिकित्सा क्षेत्र की उन्नति की जा सकती है।

विशेष अतिथि के रूप में डॉ. मोनिका एस. गर्ग, डी.सी. ठाकुर, निदेशक गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, कुलपति मेजर जनरल ;(डॉ.) अतुल बाजपेई जी और अन्य अतिथियों को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और नर्सिंग प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह मे अतिथि डॉ. डी. सी. ठाकुर ने कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से भारतीय ज्ञान पद्धति में नर्सेज के भूमिका प्राचीनकाल से चली आ रही है। समय और काल के बदलाव में दाई मां अब प्रोफेशनल नर्सेज के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है। आज प्रोफेशनल कोर्स से नर्सेज का आत्मविश्वास समृद्ध हुआ है। अब नर्सेज हर विपरीत परिस्थितियों का सामना करने को तैयार है।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेई ने बताया कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस बहुत अच्छा उपकरण है और नर्सिंग की छात्राओं और अध्यापकों को इस विषय में आगे बढ़ कर कार्य करने की जरूरत है।

कार्यक्रम के अन्तिम चरण में प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा और डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने अतिथियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी को सकुशल सम्पन्न करने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जिन्होंने सहयोग दिया सभी का सहृदय धन्यवाद है। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रशासन प्रो. राजेंद्र भारती, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित सभी विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

सरस्वती पूजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में बंसत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा करते हुए अतिथिगण

दिनांक 14 फरवरी, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया।

रोगनिदान विभाग के आचार्य डॉ. गोपी कृष्ण ने विद्यार्थियों को सरस्वती पूजा का महत्व बताकर मन्त्रोच्चारण द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

पूजा मे अपर मुख्य सचिव डॉ. मोनिका एस. गर्ग, महायोगी श्री गोरक्षनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर मां सरस्वती को नमन किया। इसके पश्चात् संहिता सिद्धांत विभाग के प्राचार्य डॉ. शान्तिभूषण हांडुर ने श्री साध्वी नंदन पांडेय के साथ वैदिक रीति के द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चना एवं हवन किया।

पूजा मे विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने आहुति प्रदान की और माँ सरस्वती का आर्शीवाद लिया। पूजा में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। पूजा के पश्चात् सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

सरस्वती पूजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

समझौता ज्ञापन के दौरान उपस्थित अधिकारीगण

दिनांक 15 फरवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल से एमओयू करार किया। समझौता पत्र में लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल से प्रो. एस. गणेशन एवं प्रो. गायत्री एच. और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, अधिष्ठाता प्रशासनिक प्रो. राजेंद्र भारती, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता कृषि डॉ. विमल कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह जी की उपस्थिति में करार पर हस्ताक्षर हुआ। स्किल इंडिया मिशन के तहत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने बी.बी.ए.; आनर्स (लाजिस्टिक अप्रेंटिस्टशिप एंबेडेड प्रोग्राम) 2024–25 सत्र से शुरू करने के लिए समझौता हुआ। बी.बी.ए. लाजिस्टिक पाठ्यक्रम के बारे में लाजिस्टिक स्किल से आए विशेषज्ञ ने कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय पूर्वांचल का पहला विश्वविद्यालय होगा। जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यू. जी.सी. के मानकों पर आधारित स्किल्ड बेस्ड पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत युवाओं को स्किल बनाने के लिए बी.बी.ए. लाजिस्टिक पाठ्यक्रम से युवाओं को रोजगार के अनंत मार्ग प्रशस्त होंगे। बी.बी.ए. लाजिस्टिक पाठ्यक्रम की विशेषताएं बताते हुए प्रो. एस. गणेशन ने बताया कि हर्ष का विषय है की लाजिस्टिक सेक्टर स्किल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए रोजगार गारंटी योजना के लिए अनुबंध कर रहा है। जिससे युवाओं को पढ़ाई के दौरान स्किल्ड ट्रेनिंग के साथ शत– प्रतिशत रोजगार के प्रति संकल्पित किया जायेगा। युवाओं को पढ़ाई के दौरान सीखते हुए कमाए यानी (अर्निंग बाई लर्निंग) जिससे युवाओं का रोजगार के प्रति आशान्वित रहकर जीवन यापन का मार्ग प्रशस्त होगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने लाजिस्टिक सेक्टर स्किल के साथ हुए समझौता पत्र पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। शिक्षा के साथ उन्हे रोजगार के प्रति उन्मुख करने के लिए लाजिस्टिक सेक्टर स्किल से आज समझौता करार किया गया है। हमे पूर्ण विश्वास है स्किल्ड बेस्ड पाठ्यक्रम से युवाओं में आत्मविश्वास का संचार होगा। जिससे शिक्षा के साथ स्वयं को रोजगार के लिए तैयार कर कैरियर में शत–प्रतिशत संभावना को तलाशने में सहायता मिलेगी।

फ्रेशर पार्टी

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांक 24 फरवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद संकाय) में सत्र 2023–24 वागभट सत्र के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिये सत्र 2022–23 सुश्रुत सत्र के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत समारोह (फ्रेशर पार्टी) का आयोजन किया गया। समारोह मे आयुर्वेद कॉलेज के संहिता सिद्धांत के विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण हन्दूर एवं गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीटच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के निदेशक डॉ. राजेश बहल ने दीप प्रज्वलित कर विद्यार्थियों को आशीर्वचन दिया।

कार्यक्रम मे वाग्भट्ट एवं सुश्रुत सत्र के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न नृत्य, गायन, नाट्य प्रस्तुत कर समारोह को मनोरंजक बनाया। साथ ही वागभट सत्र के विद्यार्थियों के मध्य मिस्टर फ्रेशर एवं मिस फ्रेशर, श्रेष्ठ परिधान एवं श्रेष्ठ प्रस्तुति प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मिस्टर फ्रेशर मोहित, मिस फ्रेशर तान्या मालिक, श्रेष्ठ परिधान पुरूष नितेश दुबे श्रेष्ट परिधान महिला पलक, श्रेष्ठ प्रस्तुति कनिका को पूरी पर्दा के साथ शिक्षकों द्वारा निर्धारित निर्णायक मंडल द्वारा चयन कर दिया गया।

कार्यक्रम के अंत मे सुश्रुत सत्र की कक्षा समन्वयक डॉ. प्रज्ञा

फ्रेशर पार्टी में चयनित मिस फ्रेशर एवं मिस्टर फ्रेशर

सिंह ने आभार ज्ञापन देकर सुश्रुत सत्र द्वारा उत्कृष्ट आयोजन एवं वाग्भट्ट सत्र द्वार सुंदर प्रस्तुति प्रस्तुत करने के लिए धन्यवाद दिया। पूरे समारोह की आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य ने प्रशंसा की।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक, सुश्रुत, वाग्भट्ट सत्र के सभी विद्यार्थियों सहित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय

दिनांक 26 फरवरी, 2024। गोरखपुर (एसएनबी)। सदियों से चले आ रहे भारत के सांस्कृतिक. अंतर्संबंध शोधपूर्ण मंथन से और प्रगाढ़ हो। इसके लिए एक से 3 मार्च तक महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगलधूसड़ में 'भारत–नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा: अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें नेपाल के तीन दर्जन विद्वान यहां आकर और इससे अधिक आनलाइन जुड़कर भारतीय विद्वतजन के साथ उन आयामों पर चर्चा करेंगे जिससे भारत और नेपाल के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई ऊंचाई दी जा सके।

सेमिनार महायोगी गोरखनाथ विवि और महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में होगा। यह महाविद्यालय वर्ष 2015 में भी भारत–नेपाल के मैत्री संबंधों पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करा चुका है। दूसरी बार 1 मार्च से हो रहे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के बारे में आयोजन के संयोजक डॉ. पद्मजा सिंह तथा डॉ. सुबोध कुमार मिश्र का कहना है कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की देखरेख में उद्घाटन और समापन के अतिरिक्त आठ तकनीकी सत्र भी आयोजित किये जा रहे हैं।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लुम्बिनी बौद्य विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य करगें जबकि सारस्वत अतिथि के रूप में मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल और विशिष्ट अतिथि के रूप में वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल की सहभागिता रहेगी। उद्घाटन सत्र में बीज वक्तव्य दीदउ गोविवि के रक्षा एवं सत्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा का होगा।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विवि, अमर कंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विवि व अनुसंधान केंद्र, दांग, नेपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुधन कुंमार पौडेल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ल, प्राज्ञीक विद्यार्थी परिषद, काठमांडू नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रसाद ढकाल मौजूद रहेंगे। सेमिनार का प्रतिवेदन दीदउ गोविवि में राजनीतिक शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

युवा उत्सव

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांक 27 फरवरी, 2024: (स्वतंत्र चेतना): महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के दो विद्यार्थियों ने नेहरू युवा केंद्र की तरफ से राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव में प्रतिभाग किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का परिणाम आगामी कुछ दिनों में जारी किया जाएगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संस्थान (आयुर्वेद संकाय) के बीएएमएस पाठ्यक्रम में अध्ययनरत नितेश प्रताप सिंह ने नेहरू युवा केन्द्र गोरखपुर द्वारा आयोजित जनपर स्तरीय मोबाइल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया था। जबकि पेंटिग प्रतियोगिता में जान्हवी राय ने द्वितीय स्थान हासिल किया था। ये दोनों बीएएसएम 2021–22, चरक बैच के विद्यार्थी हैं।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में श्रेष्ठता के आधार पर दोनों का चयन भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ था।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता कल सम्पन्न हुई और इसका परिणाम कुछ दिनों में घोषित किया जाएगा। नितेश और जान्हवी के जनपदीय प्रतियोगिता में विजेता बनने और राज्य प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) प्रदीप कुमार राव समेत पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने बधाई दी है।

नितेश प्रताप सिंह

जान्हवी राय

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 28 फरवरी, 2024: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद संकाय) मे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के दिन एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री आयुर्वेद महाविद्यालय हंडियां, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जी एस तोमर ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन मे डॉ. तोमर ने विद्यार्थियों को कहा आयुर्वेद विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणाली में से एक है। आयुर्वेद का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्तियों को स्वस्थ रखना एवं रोग हो जाने पर उनका निवारण करना है। विश्व स्वस्थ संगठन ने पूरे विश्व को स्वस्थ संबंधित आपात स्थिति से बचाव एवं बेहतर स्वास्थ एवं कल्याण के लिए 4 लक्ष्य निर्धारित किये हैं जिसमे रोग उत्पन्न होने से रोकथाम, रोग होने पर उपचार, स्वास्थ्य को बढ़ा कर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करना रोगी व्यक्ति के स्वास्थ का पुनर्वास करना है। पूरा विश्व आज इनको समझ रहा है आयुर्वेद के सिद्धांत सदियों से इन्ही लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं। आयुर्वेद मे दिनचर्याए ऋतुचर्या, सदवृत, अचार रसायन रोगों के रोकथाम का उपाय बताते है वहीं आचार्य चरक ने कहा है कि विश्व मे कोई भी ऐसा द्रव्य नही है जो औषधि ना हो बस जरूरत है सूझबूझ के साथ प्रयोग करने की। रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि के लिए आयुर्वेद मे रसायन औषधि का प्रयोग का वर्णन है। जैसे किसी फसल के लिए भूमि बीज ऋतु आदि का उत्तम गुणवान होना जरूर है वैसे ही विषाणु भी रोगी के कमजोर शरीर पर आक्रमण कर रोग उत्पन्न

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. (डॉ.) जी एस तोमर

करता है रसायन सेवन, आयुर्वेद उपदेशों का पालन कर हम रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाकर विषाणु वृद्धि विकास को रोक कर स्वस्थ लाभ प्राप्त कर सकते है।

डॉ. तोमर ने अपने बहुत से रोगियों के ऊपर किये गए उपचार के अनुभव को विद्यार्थियों को सांझ किया और कहा की आज का युग साक्ष्य मांगता है । आयुर्वेद के उपदेश को समझ कर उनको डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए। जिससे विश्व के सामने अपनी प्रमाणिकता सिद्ध कर सके साथ ही डॉ. तोमर ने विद्यार्थियों को श्री अन्न (मिलैट्स) को अपने अन्न मे शामिल करने को कहा । ये श्री अन्न पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। पुराने समय में लोग ज्यादातर इनका सेवन करते थे इसलिए रोग की चपेट में कम आते थे। श्री अन्न ना केवल रोगों से बचाव करता है, साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा कर संक्रमण से भी निजात दिलाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

विज्ञान दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

दिनांक 28 फरवरी, 2024: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. प्रवीण सिंह ने स्वागत भाषण से किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारत के मशहूर वैज्ञानिक सी. वी. रमन द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन की खोज जिसे रमन प्रभाव ष्के नाम से भी जाना जाता है इसी की याद में यह दिवस हर साल मनाया जाता है।

कार्यक्रम में भाषण व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे भाषण प्रतियोगिता में 06 विद्यार्थियों व क्विज प्रतियोगिता में कुल 33 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ कुलदीप सिंह ने आभार ज्ञापन दिया।

कृषि संकाय

कार्यक्रम अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दुबे के निर्देशन में संपन्न हुआ जिसमे कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. विकाश कुमार यादव, डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ सास्वती प्रेम कुमारी व स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्राएं उपस्थित रहें।

अतिथि व्याख्यान

फॉर्मासियुटिकल संकाय

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. (डॉ.) जी एस तोमर

दिनांक 28 फरवरी, 2024: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के भेषज विज्ञान संकाय में एक व्याख्यान बी फार्मा और डी फार्मा के विद्यार्थियों के बीच 'श्रीअन्न एवं न्यूट्रिशन' पर आयोजित किया गया।

इस व्याख्यान में प्रोफेसर डॉ. गिरेंद्र सिंह तोमर (पूर्व प्रधानाचार्य लाल बहादुर शास्त्री गवर्नमेंट आयुर्वेद कॉलेज हंडिया प्रयागराज) जी ने श्रीअन्न के बारे मेंए श्रीअन्न किस तरह से उपयोग कर सकते हैं, किन बीमारियों में यह उपयोगी सिद्ध होता है, कौन से महत्वपूर्ण पोषक तत्व इनमे पाए जाते हैं, विश्व में कहाँ पर इनकी अधिक पैदावार होती है और इसको किन ऋतुओं में प्रयोग किया जा सकता हैए इन सभी बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के रजिस्ट्रार महोदय डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने उन्हें स्मृति ग्रंथ देकर सम्मानित किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

शैक्षणिक भ्रमण

कृषि संकाय

आकाशवाणी गोरखपुर में कृषि संकाय के विद्यार्थी

दिनांक 28 फरवरी, 2024: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने आकाशवाणी गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण किया।

विद्यार्थियों ने आकाशवाणी गोरखपुर की कार्य शैली व कृषि क्षेत्र में उनके योगदान व किसानों को इससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से जाना। आकाशवाणी से डॉ. विजेंद्र प्रकाश, श्री अब्दुल क्यूँम, श्री अजीत राय व श्री वेद प्रकाश आदि ने इस शैक्षणिक यात्रा को नियोजित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु दिशा–निर्देशों के साथ अनुमति प्रदान की। इसमें एफएचयू के श्री चन्द्रकेश प्रसाद, श्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव, श्रीमती मधु सिंह व अन्य ने आकाशवाणी गोरखपुर से प्रसारित कृषि कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। शैक्षिक भ्रमण का कार्यक्रम कृषि संकाय के डॉ. आयुष पाठक व डॉ. विकाश यादव के नेतृत्व एवं अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे के निर्देश में संपन्न हुआ।

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम, बालापार रोड सोनबरसा, गोरखपुर

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ , गोरखपुर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

आरोग्यधाम, बालापार रोड, सोनबरसा गोरखपुर एवं

कला संकाय

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारत-नेपाल सांस्कृतिक अन्तर्सम्बन्धों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक

विषयक

तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

01, 02 एवं 03 मार्च, 2024

संगोष्ठी संक्षिप्तिका

01 मार्च, 2024

कार्यक्रम	समय	स्थान
पंजीकरण	प्रातः 08:30 से	मुख्य द्वार (नियन्ता कार्यालय)*
चाय–जलपान	प्रातः 08.30 से 09:30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
उद्घाटन	प्रातः 10.00 से 12.00 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
भोजन	अपराह्न 12.30 से 01.30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
प्रथम तकनीकी सत्र	अपराह्न 02.00 से 04.00 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
द्वितीय तकनीकी सत्र	अपराह्न 02.00 से 04.00 बजे	माता सीता सभागार (प्रथम तल)
स्वल्पाहार	सायं 0400 से 04.30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
02 मार्च, 2024		
तृतीय तकनीकी सत्र	प्रातः 10:00 से 12:00 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
चतुर्थ तकनीकी सत्र	प्रातः 10:00 से 12:00 बजे	माता सीता सभागार (प्रथम तल)
भोजन	अपराह्न 12.30 से 01.30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
पंचम तकनीकी सत्र	अपराह्न 02.00 से 03.30 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
स्वल्पाहार	सायं 03.30 से 04.00 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
गोरखनाथ मंदिर भ्रमण	सायं 04.30 से 07.00 बजे	
03 मार्च, 2024		
समूह परिचर्चा सत्र	प्रातः 10:00 से 12:00 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
भोजन	अपराह्न 12.30 से 01.30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
समारोप	अपराह्न 02.00 से 04.00 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
स्वल्पाहार	सायं 04.00 से 04.30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे

*सत्र एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान पंजीकरण स्थगित रहेगा।

दिनांक : 01.03.2024

सत्र / समय	मंचस्थ अतिथि / शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता	कार्यक्रम
उद्घाटन सत्र **(01.03.2024)** **प्रातः 10:00—12:00** **स्थान** **श्रीराम सभागार** **(द्वितीय तल)**	**अध्यक्ष** **प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य, माननीय कुलपति** लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल **सारस्वत अतिथि** **प्रो. नन्द बहादुर सिंह, माननीय उपकुलपति** उत्तर पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल **मुख्य अतिथि** **मा. देवेन्द्र राज कण्डेल, पूर्व गृह राज्यमंत्री** नेपाल सरकार, काठमाण्डू, नेपाल **बीज—वक्तव्य** **प्रो.हर्ष कुमार सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य** **रक्षा अध्ययन विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **विशिष्ट अतिथि** **प्रो.(डॉ.) भागवत ढकाल, प्राचार्य** वाल्मीकि विद्यापीठ काठमाण्डू, नेपाल **प्रस्तावकी एवं स्वागत** **डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **संचालन** **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, संगोष्ठी संयोजक**	मंच आमंत्रण, दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि 10.00 सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत 10.00—10.02 अतिथि परिचय एवं स्वागत 10.02—10.05 स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान 10.05—10.06 *(प्राचार्य द्वारा)* कुलगीत 10.06—10.08 पुस्तक विमोचन *(संगोष्ठी पूर्वकार्यवृत्त)* 10.08—10.09 कार्यक्रम प्रस्ताविकी एवं स्वागत उद्बोधन 10.09—10.14 बीज वक्तव्य 10.14—10.34 संकल्पगीत *(शत—शत नमन .....)* 10.34—10.36 उद्बोधन *(प्रो. भागवत ढकाल जी)* 10.36—10.51 उद्बोधन *(प्रो. नन्द बहादुर सिंह जी)* 10.51—11.06 महाविद्यालय बोधगीत 11.06—11.08 *(निर्माणों के पावन .....)* उद्बोधन *(मा. देवेन्द्र राज कण्डेल जी)* 11.08—11.30 अध्यक्षीय उद्बोधन 11.30—11.57 वन्देमातरम् 11.57—12.00
प्रथम तकनीकी सत्र **(01.03.2024)** **अपराह्न** **02:00—04:00** **स्थान** **श्रीराम सभागार** **(द्वितीय तल)**	**अध्यक्ष** **प्रो.हर्ष कुमार सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य,** **रक्षा अध्ययन विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **सह अध्यक्ष :** **प्रो. नरेन्द्र कुमार श्रेष्ठ, पी.एच.डी पाठ्यक्रम समन्वयक** लुम्बिनी विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल **सह अध्यक्ष :** **डॉ. राजेन्द्र भारती, से.नि. आचार्य, भौतिकी** राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला, पुणे, महाराष्ट्र **विषय विशेषज्ञ :** **प्रो. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, से.नि. आचार्य, इतिहास विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **विषय विशेषज्ञ :** **डॉ. सागर न्यौपाने, सहयुक्त आचार्य** लुम्बिनी विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल **संचालन :** **डॉ. अवन्तिका पाठक, सहायक आचार्य, गृहविज्ञान विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **प्रतिवेदन :** **डॉ. वेंकट रमन, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता :** **1. श्री रायल कुमार सिंह** शोध छात्र, रक्षा अध्ययन विभाग दी.द.उ.गो.विवि., गोरखपुर **2. श्री विनीत सिंह** शोध छात्र, रक्षा अध्ययन विभाग दी.द.उ.गो.विवि. गोरखपुर **3. श्री हर्षवर्धन सिंह** शोध छात्र, रक्षा अध्ययन विभाग दी.द.उ.गो.विवि. गोरखपुर **4. डॉ. आशीष कान्त चौधरी** सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग, बनारस हिन्दू वि.वि, वाराणसी	मंच आमंत्रण 02.00 अतिथि परिचय एवं स्वागत 02.00—02.02 स्मृति चिह्न द्वारा 02.02—02.03 अतिथियों का सम्मान उद्बोधन 02.03—02.18 (विषय विशेषज्ञ, डॉ. सागर न्यौपाने) उद्बोधन 02.18—02.33 (विषय विशेषज्ञ, प्रो. सुधाकर लाल श्रीवास्तव) शोध पत्र वाचन 1. श्री रायल कुमार सिंह 02.33—02.38 2. श्री विनीत सिंह 02.38—02.43 3. श्री हर्षवर्धन सिंह 02.43—02.48 4. डॉ. आशीष कान्त चौधरी 02.48—02.53 उद्बोधन (प्रो. नरेन्द्र कुमार श्रेष्ठ) 02.53—03.08 उद्बोधन (डॉ. राजेन्द्र भारती) 03.08—03.23 अध्यक्षीय उद्बोधन 03.23—04.00
द्वितीय तकनीकी सत्र **(01.03.2024)** **अपराह्न** **02:00—04:00** **स्थान** **माँ सीता सभागार** **(प्रथम तल)**	**अध्यक्ष :** **प्रो.कीर्ति पाण्डेय, संकायाध्यक्ष, कला संकाय** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **सह अध्यक्ष :** **प्रो. भागवत ढकाल, प्राचार्य** वाल्मिकी विद्यापीठ काठमांडू नेपाल **सह अध्यक्ष :** **कर्नल (डॉ.) राजेश बहल, निदेशक महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय** बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर **विषय विशेषज्ञ :** **श्री दयानिधि गौतम, सहायक आचार्य** लुम्बिनी विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल **विषय विशेषज्ञ :** **डॉ. प्रीति त्रिपाठी, सहायक आचार्य, राजनीतिशास्त्र विभाग** चन्द्रकांती रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर **संचालन :** **डॉ. अर्चना गुप्ता, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **प्रतिवेदन :** **श्रीमती पुष्पा निषाद, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता :** **1. सुश्री जूनी श्रीवास्तव** शोध छात्र, राजनीतिशास्त्र विभाग दी.द.उ.गो.विवि., गोरखपुर **2. श्री विवेक विश्वकर्मा, सहायक आचार्य** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **3. डॉ. मनीषा सिंह, प्राचार्य** शिव दुलारी देवी दलदप्त शाही महिला महाविद्यालय, कुशीनगर	मंच आमंत्रण 02.00 अतिथि परिचय एवं स्वागत 02.00—02.02 स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान 02.02—02.03 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, श्री दयानिधि गौतम) 02.03—02.18 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, डॉ. प्रीति त्रिपाठी) 02.18—02.33 शोध पत्र वाचन 1. सुश्री जूनी श्रीवास्तव 02.33—02.38 2. श्री विवेक विश्वकर्मा 02.38—02.43 3. डॉ. मनीषा सिंह 02.43—02.48 उद्बोधन (सह अध्यक्ष) 02.48—03.15 अध्यक्षीय उद्बोधन 03.15—04.00

दिनांक : 02.03.2024

सत्र / समय	मंचस्थ अतिथि / शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता	कार्यक्रम
तृतीय तकनीकी सत्र (02.03.2024) प्रातः 10:00—12:00 **स्थान** श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)	**अध्यक्ष :** **प्रो.सुधन पौडेल, कार्यकारी निदेशक** नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, नेपाल **सह अध्यक्ष :** **प्रो. राजराम सुवेदी, से.नि आचार्य** त्रिभुवन विश्वविद्यालय, कीर्तिपुर, काठमाण्डू, नेपाल **विषय विशेषज्ञ :** **श्री नवीन बंधु पहाड़ी** प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता नेपाल **विषय विशेषज्ञ :** **डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग** गणेश राय पी.जी. कॉलेज डोभी, जौनपुर **संचालन :** **डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **प्रतिवेदन :** **श्री अनूप पाण्डेय, अध्यक्ष इतिहास विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता :** 1. **डॉ. सुनील कुमार, शोध अध्येता** महायोगी गुरू श्रीगोरक्षनाथ शोध पीठ 2. **डॉ. कुँवर रणंजय सिंह, शोध अध्येता** महायोगी गुरू श्रीगोरक्षनाथ शोध पीठ 3. **डॉ. संदीप श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर 4. **श्री अजीत कुमार, शोध छात्र, इतिहास विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर	मंच आमंत्रण 10.00 अतिथि परिचय एवं स्वागत 10.00—10.02 स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान 10.02—10.03 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, श्री नवीन बंधु पहाड़ी) 10.03—10.18 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, डॉ. प्रवीण त्रिपाठी) 10.18—10.33 शोध पत्र वाचन 1. डॉ. सुनील कुमार 10.33—10.38 2. डॉ. कुँवर रणंजय सिंह 10.38—10.43 3. डॉ. संदीप श्रीवास्तव 10.43—10.48 4. श्री अजीत कुमार 10.48—10.53 उद्बोधन (सह अध्यक्ष) 10.53—11.15 अध्यक्षीय उद्बोधन 11.15—12.00
चतुर्थ तकनीकी सत्र (02.03.2024) प्रातः 10:00—12:00 **स्थान** माँ सीता सभागार (प्रथम तल)	**अध्यक्ष :** **प्रो.राजवन्त राव, पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य,** **प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **सह अध्यक्ष :** **श्रीकृष्ण अनिरूद्ध गौतम, लेखक, स्तम्भकार, विश्लेषक** सलाकार, पूर्व प्रधानमंत्री, नेपाल **विषय विशेषज्ञ :** **डॉ. पद्मजा सिंह,** **सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **विषय विशेषज्ञ :** **डॉ. शचीन्द्र मोहन, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग** स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली **संचालन :** **डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह,** **सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **प्रतिवेदन :** **श्री रमाकान्त दूबे, अध्यक्ष, रक्षा अध्ययन विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता :** 1.**डॉ. अमिता अग्रवाल, सहायक आचार्य** **प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** चन्द्रकांती रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर 2.**डॉ. विनोद कुमार, सहायक आचार्य** **प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 3.**डॉ. धमेन्द्र मौर्य, सहायक आचार्य** **प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** शान्ती सशक्तिकरण महाविद्यालय, सिधुवापार, बडहलगंज, गोरखपुर 4.**सुश्री पूजा, शोध छात्रा** **प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर	मंच आमंत्रण 10.00 अतिथि परिचय एवं स्वागत 10.00—10.02 स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान 10.02—10.03 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, डॉ. पद्मजा सिंह) 10.03—10.18 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, डॉ. शचीन्द्र मोहन) 10.18—10.33 शोध पत्र वाचन 1. डॉ. अमिता अग्रवाल 10.33—10.38 2. डॉ. विनोद कुमार 10.38—10.43 3. डॉ. धमेन्द्र मौर्य 10.43—10.48 4. सुश्री पूजा 10.48—10.53 उद्बोधन (सह अध्यक्ष) 10.53—11.15 अध्यक्षीय उद्बोधन 11.15—12.00
पंचम तकनीकी सत्र (02.03.2024) प्रातः 02:00—03:30 **स्थान** श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)	**अध्यक्ष :** **प्रो. सुबोध शुक्ला, आचार्य, संस्कृत विभाग** त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू, नेपाल **सह अध्यक्ष :** **डॉ. कुशलनाथ मिश्र, उपनिदेशक** महायोगी गुरू श्रीगोरक्षनाथ शोध पीठ, गोरखपुर **विषय विशेषज्ञ :** **श्री प्रकाश प्रियदर्शी, सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **विषय विशेषज्ञ :** **डॉ. सोनल सिंह, सहायक निदेशक** महायोगी गुरू श्रीगोरक्षनाथ शोध पीठ, गोरखपुर **संचालन :** **श्री विनय कुमार सिंह, सहायक आचार्य** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **प्रतिवेदन :** **श्री नन्दन शर्मा, अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता :** 1.**सुश्री विभा कुमारी, शोध छात्रा, राजनीतिशास्त्र विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 2.**श्री मयंक, शोध छात्र, राजनीतिशास्त्र विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 3.**श्री प्रवीण, शोध छात्र, राजनीतिशास्त्र विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 4.**सुश्री नम्रता कुमारी चौबे, शोध छात्रा, राजनीतिशास्त्र विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर 5.**डॉ.वन्दना सोनकर, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग** बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	मंच आमंत्रण 02.00 अतिथि परिचय एवं स्वागत 02.00—02.02 स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान 02.02—02.03 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, डॉ. पद्मजा सिंह) 02.03—02.18 उद्बोधन (विषय विशेषज्ञ, डॉ. शचीन्द्र मोहन) 02.18—02.33 शोध पत्र वाचन 1. सुश्री विभा कुमारी 02.33—02.37 2. श्री मयंक 02.37—02.41 3. श्री प्रवीण 02.41—02.45 4. सुश्री नम्रता कुमारी चौबे 02.45—02.59 5. डॉ.वन्दना सोनकर 02.59—03.03 उद्बोधन (सह अध्यक्ष) 02.53—03.08 अध्यक्षीय उद्बोधन 03.08—03.30

दिनांक : 03.03.2024

सत्र/समय	मंचस्थ अतिथि/शोध पत्र प्रस्तुतकर्त्ता	कार्यक्रम
समूह परिचर्चा सत्र (03.03.2024) प्रातः 10:00–12:00 **स्थान** श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)	**प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, माननीय कुलपति** इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्यप्रदेश **प्रो.हर्ष कुमार सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य,** रक्षा अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **प्रो. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, से.नि. आचार्य, इतिहास विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **प्रो.(डॉ.) सुधन कुमार पौडेल, कार्यकारी निदेशक** नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बेलझुण्डी, दांङ, नेपाल **डॉ. सुबोध शुक्ला, आचार्य संस्कृत विभाग** त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू, नेपाल **श्री नारायण प्रसाद ढकाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री** प्राज्ञिक विद्यार्थी परिषद्, काठमाण्डू, नेपाल **डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, सहायक आचार्य, राजनीतिशास्त्र विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **डॉ. पद्मजा सिंह, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग** गणेश राय पी.जी. कॉलेज डोभी, जौनपुर	**परिचय एवं स्वागत** 10.00–10.05 **प्रश्नोत्तरी एवं परिचर्चा** 10.05–12.00
समापन (03.03.2024) प्रातः 02:00 बजे से **स्थान** श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)	**अध्यक्ष** **प्रो. पूनम टण्डन, माननीय कुलपति** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **मुख्य अतिथि** **प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, माननीय कुलपति** इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्यप्रदेश **विशिष्ट अतिथि** **प्रो.(डॉ.) सुधन कुमार पौडेल, कार्यकारी निदेशक** नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बेलझुण्डी, दांङ, नेपाल **विशिष्ट अतिथि** **डॉ. सुबोध शुक्ला, आचार्य संस्कृत विभाग** त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू, नेपाल **विशिष्ट अतिथि** **श्री नारायण प्रसाद ढकाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री** प्राज्ञिक विद्यार्थी परिषद्, काठमाण्डू, नेपाल **स्वागत एवं आभार** **डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य** महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर **संगोष्ठी प्रतिवेदक** **डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, सहायक आचार्य, राजनीतिशास्त्र विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर **संचालन** **डॉ. पद्मजा सिंह, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर	मंच आमंत्रण, दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि 02.00 सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत 02.00–02.02 अतिथि परिचय एवं स्वागत 02.02–02.04 स्मृति चिह्न द्वारा अतिथियों का सम्मान *(प्राचार्य द्वारा)* 02.04–02.06 स्वागत उद्बोधन एवं आभार *(प्राचार्य द्वारा)* 02.06–02.15 संगोष्ठी प्रतिवेदन *(प्रतिवेदक द्वारा)* 02.15–02.20 संकल्पगीत *(शत्–शत् नमन .....)* 02.20–02.23 उद्बोधन *(प्रो. सुधन कुमार पौडेल जी)* 02.23–02.38 उद्बोधन *(डॉ. सुबोध शुक्ला जी)* 02.38–02.53 उद्बोधन *(डॉ. नारायण प्रसाद ढकाल जी)* 02.53–03.08 महाविद्यालय बोधगीत *(निर्माणों के पावन युग में .....)* 03.08–03.10 उद्बोधन *(मुख्य अतिथि)* 03.10–03.30 अध्यक्षीय उद्बोधन 03.30–03.57 वन्दे मातरम् 03.57–04.00

फरवरी माह के प्रमुख आयोजन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

03 फरवरी, 2024	विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी के द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर के रैंक सेरिमनी और कार्यालय के उदघाटन पर
14 फरवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने पुलवामा वीरों को समपर्ण से दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि का आयोजन
23 फरवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में द्वि साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान में मतदाता शपथ ग्रहण कराकर विद्यार्थियों को लोकतंत्र में वोट की शक्ति के प्रति संकल्पित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

09 फरवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा श्रीराम प्राण–प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होने के उपलक्ष्य में श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन
10 फरवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के दो दिवसीय श्री राम प्राण–प्रतिष्ठा, वेश भूषा प्रतियोगिता
27 फरवरी, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में द्वि–साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान में Vote for Sure सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने सेल्फी लेकर किया।

फरवरी माह की मुख्य बैठकें

01 फरवरी, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में माह फरवरी, 2024 का वेतन ERP आधारित बनाने, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में एक नई बायोमेट्रिक मशीन लगाने तथा जिन कर्मचारियों का ERP नहीं बना है, उनका ERP बनाए जाने, संस्थाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष/ विभागाध्यक्ष द्वारा माह की अन्तिम तिथि को उक्त माह में लिए गये छुट्टियों का निस्तारण सुनिश्चित करना आदि विशयों पर आईटी सेल की बैठक सम्पन्न हुई।
02 फरवरी, 2024	मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक में गत बैठक में लिए गये निर्णयों की समीक्षा की गयी तथा बैठक में लगातार तीन बार अनुपस्थित रहने वाली छात्राओं की सूची तैयार करना, मिशन स्वावलम्बी समिति के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया।
09 फरवरी, 2024	मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें कचरा निस्तारण, छात्रावास के अन्दर एवं बाहर की साफ–सफाई, छात्रावास में बिलम्ब से आने वाली छात्राओं को निर्देशित करना, एक माह में 4 बार बिलम्ब से आने वाली छात्राओं की सूची तैयार कर उनको अवगत करा दिया जाए।
15 फरवरी, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित आई.टी. सेल की बैठक में कम्प्यूटर लैब व डिजिटल लाइब्रेरी को सदैव अद्यावधिक अपडेट रखने, कार्यक्रमों का विडियो तैयार कर अलग–अलग हिस्सों में विभक्त कर यू–टयूब पोस्ट करना, आईटी सेल के पदाधिकारियों के कार्य निर्वहन निर्धारण, विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया की पोस्ट पर सक्रिय होने, भविष्य के विशिष्ट वक्ता के वृतान्त को वेबसाइट पर अपलोड करना, वेबसाइट को अपडेट रखना, मुख्य संयोजक, आईटी सेल डॉ. सुमित कुमार एम. के अनुरोध पर जियो नेटवर्क का 100 Mbp का lease line की व्यवस्था हेतु कार्यवाही किए जाने पर सहमति, कर्मचारियों के परिचय–पत्र श्री श्रीकान्त, उप कुलसचिव (प्रशासन) के हस्ताक्षर लगाकर जारी किए जाने का निश्चय किया गया।
16 फरवरी, 2024	अधिष्ठाता, चिकित्सा संकाय की अध्यक्षता में श्री श्रीकान्त, उप कुलसचिव (प्रशासन) को शिक्षकों/सीनियर एवं जूनियर रेजिडेंट डाक्टर्स की नियुक्ति से सम्बन्धित पत्रावलियॉ तैयार किए जाने तथा अन्य औपचारिकतायें पूर्ण करने व रख–रखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई, पुस्तकों की आपूर्ति हेतु फर्मो से निगोशियेशन करने के उपरान्त कार्यवाही की जाए, श्री संजय कुमार दूबे, उप कुलसचिव (भण्डार) को क्रय से सम्बन्धित पत्रावलियॉ तैयार कर कार्यवाही किए जाने व तत्संबंधी अन्य वांछित औपचारिकताएं पूर्ण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, चिकित्सालय का रिकार्ड साफ्टवेयर पर अनुरक्षित किए जाने पर सहमति बनीं।
16 फरवरी, 2024	कार्यक्रम समिति की बैठक में विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया, कार्यक्रम समिति मुख्य बिन्दुओं पर आधारित होगा यथा सफाई, प्रबन्धतन्त्र व पढाई, सुव्यवस्थित, अनुशासित, पारस्परिकता व विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करने योग्य होने आदि विषयों पर बैठक हुई
16 फरवरी, 2024	विश्वविद्यालय कार्यक्रम समिति की सम्पन्न हुई बैठक द्वारा अलग–अलग दायित्वों हेतु गठित समिति के सदस्यों द्वारा तैयार कर लाई गई समिति के उद्देश्य, कार्य एवं कार्यपद्धति पर चर्चा हुई, श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव द्वारा तैयार की जा रही उद्देश्य, कार्य एवं कार्यपद्धति में "अतिथि देवो भव" भाब्द जोड़ने का सुझाव दिया गया, श्री श्रीकान्त, उप कुलसचिव (प्रशासन) से अपेक्षा की गई कि सभी सदस्यों से प्राप्त स्वच्छ प्रति को हिन्दी एवं अंग्रेजी में तैयार कर प्रस्तुत करें।

मार्च, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

01–15 मार्च, 2024	आवधिक मूल्यांकन (सुश्रुत बैच–2022–23)
18–22 मार्च, 2024	आवधिक मूल्यांकन (वाग्भट्ट बैच–2022–23)
05 मार्च, 2024	सप्लीमेंट्री प्रायोगिक परीक्षा (चरक बैच–2021–22)
05 मार्च, 2024	अतिथि व्याख्यान
17–23 मार्च, 2024	एनएसएस कैम्प (आर्यभट्ट बैच)

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

11–16 मार्च, 2024	प्रवेश परीक्षा
23 मार्च, 2024	अतिथि व्याख्यान
17–23 मार्च, 2024	एनएसएस कैम्प

कृषि संकाय

09 मार्च, 2024	पुष्प शिल्प निर्जलीकरण कार्यशाला
11 मार्च, 2024	प्रथम आन्तरिक परीक्षा
29 मार्च, 2024	होली मिलन (सांस्कृतिक कार्यक्रम)

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

14 मार्च, 2024	विश्व किडनी दिवस
17–23 मार्च, 2024	विशेष शिविर

फॉर्मेसी संकाय

26–28 मार्च, 2024	आन्तरिक परीक्षा (बी.फार्म, डी.फार्म)
29 मार्च, 2024	पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति (पी.एच.डी)

मार्च, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

08 मार्च, 2024	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
16 मार्च, 2024	राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस
23 मार्च, 2024	विश्व ट्युबरक्लोसिस दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना

06–12 मार्च, 2024	निःशुल्क सप्तदिवसीय सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण एवं सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम
08 मार्च, 2024	अन्तर्राष्ट्रिय महिला दिवस
17–23 मार्च, 2024	सभी ईकाईयों का विशेष शिविर कैम्प

राष्ट्रीय कैडेट कोर

13 मार्च, 2024	धूम्रपान निषेध दिवस
22 मार्च, 2024	विश्व जल दिवस

समाचार दर्पण

ड्रोन का उपयोग कृषि क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत

व्याख्यान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में शुक्रवार को ड्रोन आधारित कृषि विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित ड्रोन प्रशिक्षक अजय कुमार यादव (ड्रोनियर एविगेशन) ने कृषि के क्षेत्र में ड्रोन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ड्रोन का उपयोग कृषि क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत है। अजय कुमार यादव ने ड्रोन के कृषि में उपयोग को बताते हुए कहा की ड्रोन से फील्ड सर्वे, इंसेक्टिसाइड, पेस्टीसाइड व नैनो यूरिया का छिड़काव एवं जियोफेंसिंग भी की जा सकती है।

उन्होंने भारत सरकार द्वारा संचालित नमो ड्रोन दीदी व ड्रोन से संबंधित अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी, जिससे युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने उन तरीकों की भी जानकारी दी जिससे विद्यार्थी और ग्रामीण युवा इसका लाभ ले सकते हैं।

ड्रोन का उपयोग कृषि क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत : अजय यादव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में शुक्रवार को 'ड्रोन आधारित कृषि' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित अजय कुमार यादव (ड्रोन प्रशिक्षक, ड्रोनियर एविगेशन) ने कृषि के क्षेत्र में ड्रोन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ड्रोन का उपयोग कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरुआत है। यादव ने ड्रोन के कृषि में उपयोग को बताते हुए कहा की ड्रोन से फील्ड सर्वे, इंसेक्टिसाइड, पेस्टीसाइड व नैनो यूरिया का छिड़काव एवं जियोफेंसिंग भी की जा सकती है। उन्होंने भारत सरकार द्वारा संचालित नमो ड्रोन दीदी व ड्रोन से संबंधित अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी, जिससे युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने उन तरीकों की भी जानकारी दी जिससे विद्यार्थी और ग्रामीण युवा इसका लाभ ले सकते हैं । यह कार्यक्रम संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ कुलदीप सिंह, डॉ विकास कुमार यादव, डॉ आयुष कुमार पाठक, डॉ प्रवीण सिंह एवं स्नातक कृषि विज्ञान प्रथम व द्वितीय वर्ष के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्नम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

नर्सिंग की भारतीय प्रणाली पर तीन दिन होगा विशद मंथन

□गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सोमवार से

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता / गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ तीन दिन नर्सिंग की भारतीय प्रणाली पर विशद मंथन करेंगे। इसके लिए सोमवार (12 फरवरी) से बुधवार (14 फरवरी) तक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट व विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक व उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह करेंगे।

यह जानकारी गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने दी। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव भी मौजूद रहेंगे। डॉ. अजीथा ने बताया कि गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा आयोजित यह प्रथम अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी है। संगोष्ठी में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली और नर्सिंग के प्रति इसके योगदान, स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का योगदान, भारतीय ज्ञान प्रणाली का वैश्वीकरण, योग्यता आधारित नर्सिंग शिक्षा तथा स्वास्थ्य केंद्रों में नर्सों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन मंथन होगा।

संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में चेयरपर्सन प्रो. एमएलबी भट्ट और को चेयरपर्सन गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्रोफेसर डॉ. मिनी के होंगी। अलग-अलग सत्रों में एम्स गोरखपुर में नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रेणुका, एम्स के सहायक आचार्य डॉ. देवी गाटी, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. रोहित कुमार तिवारी, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, यूएसए से आने वाले डॉ. ओंकारनाथ सिंह,बीआरडी मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. अलका सक्सेना, एमसीएच हॉस्पिटल किंगडम ऑफ सऊदी अरब की क्लिनिकल नर्स एजुकेटर गायत्री जयापुननुराज,यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी में नर्सिंग सलाहकार डॉ. नीतू देवी, यूनिवर्सिटी ऑफ बुरामी ओमान में प्रवक्ता डॉ. सुमति शशिकला, अल्पसंख्यक एवं वक्फ विभाग यूपी की अपर मुख्य सचिव श्रीमती मोनिका गर्ग, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. डीसी ठाकुर और क्लीवीलैंड क्लीनिक फ्लोरिडा, यूएसए में नर्सिंग मैनेजर लिली जोसेफ का विशेष व्याख्यान होगा।

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

समाचार दर्पण

गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

जिला संवाददाता (vol)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है।

आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

महायोगी गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते प्रो.एमएलबी भटट,कुलपति मेजर जनरल अतुल बाजपेयी,डा.जीएन सिंह, प्राचार्या डा.डीएस अजीथा व अन्य।

नर्सिंग का क्षेत्र और होगा समृद्ध : प्रो .भट्ट

गोरखपुर (एसएनबी)। किंग जार्ज मेडिकल विवि लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट ने कहा कि नर्सिंग का क्षेत्र भविष्य में और भी व्यापक और समृद्ध होने वाला है। व्यापकता के हिसाब से ही इस क्षेत्र में नई चुनौतियां भी आएंगी। भावी चुनौतियों से निपटने के लिए यह जरूरी है कि हम अभी से अन्वेषण की दृष्टि से काम करते हुए आगे बढ़ें।

प्रो.भट्ट महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय को साधुवाद देते हुए इसमें बहुव्यापी विषय रखने पर प्रसन्नता व्यक्त की। चिकित्सा व नर्सिंग के क्षेत्र में नवप्रवेशी युवाओं के सर्वांगीण व्यक्तित्व और पेशेवर विकास के लिए स्किल डेवलपमेंट अपरिहार्य तत्व है। प्रो. भट्ट ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के इंफ्रास्ट्रर को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए यहां की शिक्षण प्रविधियों और परिसर के शैक्षणिक वातावरण की सराहना की।

नर्सिंग व चिकित्सा क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में वरदान साबित होगी संगोष्ठी: कुलपति

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी नर्सिंग व चिकित्सा क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में वरदान साबित होगी। भारत की प्राचीन चिकित्सा व नर्सिंग प्रणाली की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय प्रणाली पूरी तरह दोषरहित रही है। सम्पूर्ण विश्व को चिकित्सा पद्धति भारत की ही देन है। प्राचीन काल से ही युद्ध के दौरान परिचारक द्वारा घाव पर कपड़े से मरहम-पट्टी होती थी, पाश्चात्य ने उसे ग्रहण कर बैंडिज का नाम दे दिया।

पेशेवर नर्सिंग के सेवार्थ लोगों की है विश्वव्यापी आवश्यकता: डा.जीएन सिंह

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में वर्चुअल माध्यम से जुड़े विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक व उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के सलाहकार डा. जीएन सिंह ने कहा कि नर्सिंग पवित्र सेवा का क्षेत्र है। पेशेवर नर्सिंग के सेवार्थ लोगों की विश्वव्यापी आवश्यकता है। इसे लेकर नए भाव और विचार इस अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के मंथन से निकलेंगे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में भी नर्सिंग को समृद्ध करने की तैयारी चल रही है। जिन जगहों पर नर्सिंग की प्रबल संभावना है, वहां नए रूप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि जापान के साथ सरकार चिकित्सा सेवा में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास कर रही है जिससे यहां के छात्र नर्सिंग में अपनी सेवा दे सकने में सफल होंगे।

गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

नर्सिंग के क्षेत्र में नया इतिहास लिखने का समय : डा. भारती

विशिष्ट अतिथि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के डीन (प्रशासन) डा. राजेंद्र भारती यह एक महत्वपूर्ण समय है जब हम नर्सिंग के इतिहास में एक नए अध्याय को लिखने जा रहे है। इस अंतरराष्ट्रीय सेमिनार से नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि नर्सिंग में नर्सेज को रोगी के प्रति मातृत्व की दृष्टि रखनी चाहिए। इसके पूर्व विषय प्रवर्तन करते हुए एम्स रायबरेली में न्यूरोलाजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. अर्चना वर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद, योग आदि का स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्ण योगदान है। चिकित्सा के साथ तकनीक पर शोध दृष्टि रखी जाए तो स्वास्थ्य सेवा को और भी प्रतिष्ठत किया जा सकता है। आभार ज्ञापन करते हुए गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा ने बताया कि संगोष्ठी में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली और नर्सिंग के प्रति इसका योगदान, स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का योगदान, भारतीय ज्ञान प्रणाली का वैश्वीकरण, योग्यता आधारित नर्सिंग शिक्षा तथा स्वास्थ्य केंद्रों में नर्सों की भूमिका पर गहन मंथन हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आगतुकों का स्वागत नर्सिंग की ट्यूटर श्वेता अल्बर्ट ने किया। संगोष्ठी का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। संगोष्ठी में आए सभी अतिथियों को कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और प्राचार्या डा. डीएस अजीथा ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उद्घाटन सत्र के बाद अलग-अलग तकनीकी सत्रों में प्रो. एमएलबी भट्ट, डा. मिनी के, डा. रेणुका, डा. देवीगा टी आदि ने नर्सिंग के भविष्य और चुनौतियों विषय पर शोधार्थियों के शोध वाचन पर मार्गदर्शन दिया।

नर्सिंग क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट समय की मांग

संगोष्ठी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट ने कहा कि नर्सिंग का क्षेत्र भविष्य में और भी व्यापक और समृद्ध होने वाला है। व्यापकता के हिसाब से ही इस क्षेत्र में नई चुनौतियां भी आएंगी। भावी चुनौतियों से निपटने के लिए यह जरूरी है कि हम अभी से अन्वेषण की दृष्टि से काम करते हुए आगे बढ़ें।

सोमवार को गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्मारिका का विमोचन करते केजीएमयू के पूर्व कुलपति प्रो एमएलबी व साथ में अन्य अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

प्रो. भट्ट सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भारत की प्राचीन चिकित्सा व नर्सिंग प्रणाली की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय प्रणाली पूरी तरह दोषरहित रही है। सम्पूर्ण विश्व को चिकित्सा पद्धति भारत की ही देन है। मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा में भी नर्सिंग को समृद्ध करने की तैयारी चल रही है। जिन जगहों पर नर्सिंग की प्रबल संभावना है, वहां नए रूप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। संगोष्ठी में आए अतिथियों को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। संचालन जेनी डी और अक्षय एडवर्ड ने किया।

गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित अतंरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्बोधित करती वक्ता।

गठित होगी अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति

गोरखपुर (एसएनबी)। भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डा. जीएन सिंह ने कहा कि नर्सिंग व मेडिकल क्षेत्र की वैश्विक आवश्यकताओं के दृष्टिगत महायोगी गोरखनाथ विवि में जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति में यूएसए, रूस, ओमान, जर्मनी, फ्रांस, श्रीलंका, वियतनाम, थाईलैंड एवं सिंगापुर समेत कई देशों के विषय विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा।

मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्रीगोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों और व्याख्यान देने वाले अतिथियों से डा.सिंह

महायोगी गोरक्षनाथ विवि

गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का दूसरा दिन

संस्थापक डा. ओंकारनाथ सिंह का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। यूएसए से वर्चुअल माध्यम से जुड़े डा. ओंकारनाथ ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्राचीनकाल से ही वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से ओतप्रोत है। उन्होंने कहा कि मेडिकल सेवा एक टीम वर्क है जिसमें डाक्टर,नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ सबकी भूमिका एक दूसरे से जुड़ी हुई है। अमेरिका में नर्सिंग व फार्मेसी की सेवा डाक्टर की सेवा के बराबर ही सम्मानजनक है। डा. सिंह ने बताया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली में प्रशिक्षित नर्सों की पूरे विश्व में जरूरत महसूस की जाती है।

संगोष्ठी के दूसरे दिन के एक अन्य विशिष्ट व्याख्यान में फोर्ट वर्थ टेक्सास, यूएसए की नर्स प्रैक्टिशनर पायस सुबेदी भी आनलाइन जुड़ीं। उन्होंने अमेरिका में नर्सिंग सेवा के विभिन्न आयामों की विस्तार से जानकारी दी। पायस ने कहा कि नर्स सिर्फ रोगी का उपचार ही नहीं करती है बल्कि आगे स्वास्थ्य की देखभाल के लिए जागरूक भी करती है। नर्सिंग एक एडवोकेसी जब है। रोगों को लेकर नर्स की भूमिका रोगी के साथ एडवोकेट के रूप में होती है। सऊदी अरब से अनलाइन माध्यम से जुड़ीं गायत्री जयापुनु राज ने नर्सिंग सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का आह्वान किया। साथ ही समझाया कि

मार्गदर्शन करते हुए नर्सिंग सेवा के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि

एआई से मेडिकल सेवा में हो रहा बदलाव : डा. रोहित

स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व पर चर्चा करते हुए मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि के सहायक आचार्य डा. रोहित कुमार तिवारी ने कहा कि चिकित्सा प्रदाताओं,अस्पतालों, फार्मास्युटिकल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से काफी बदलाव हो रहा है। स्वास्थ्य सेवा उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। एजुकेशनल गवर्नेंस इन माडर्न एरा विषय पर आधारित सत्र में यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी में नर्सिंग सलाहकार डा. नीतू देवी ने नर्सिंग कोर्स व सिलेबस तैयार करने में जरूरी नीति निर्धारक बिंदुओं की जानकारी दी। सभी सत्रों में शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। संगोष्ठी में आए अतिथियों का स्वागत महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा ने किया।

गोरखनाथ विवि का लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल से करार

पहल

- गोरखनाथ विवि में लाजिस्टिक में स्नातक पाठ्यक्रम होगा संचालित
- छात्रों को पढ़ाई के दौरान कमाई का भी मिलेगा मौका

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय स्किल आधारित शिक्षण के लिए लाजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल से करार किया है। गुरुवार को दोनों संस्थानों के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इस दौरान लाजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल से प्रो. एस गणेशन व प्रो. गायत्री एच और विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, अधिष्ठाता प्रो.राजेंद्र भारती, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह उपस्थिति रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और लॉजिस्टिक स्किल सेंटर के बीच हुआ करार।

स्किल इंडिया मिशन के तहत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बीबीए (आनर्स) लाजिस्टिक अप्रेंटिस्टशिप एंबेडेड प्रोग्राम 2024-25 सत्र से शुरू करने के लिए समझौता किया। बीबीए लाजिस्टिक पाठ्यक्रम के बारे में विशेषज्ञ ने बताया कि यह पूर्वांचल का पहला विश्वविद्यालय होगा जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति व यूजीसी के मानकों पर आधारित स्किल्ड बेस्ड पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत युवाओं को स्किल बनाने के लिए बीबीए लाजिस्टिक पाठ्यक्रम से रोजगार के मार्ग प्रशस्त होंगे। बीबीए लाजिस्टिक पाठ्यक्रम की विशेषताएं बताते हुए प्रो. एस गणेशन ने बताया कि लाजिस्टिक सेक्टर में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाला होगा। युवाओं को पढ़ाई के दौरान स्किल्ड ट्रेनिंग के साथ शत-प्रतिशत रोजगार के प्रति संकल्पित किया जायेगा। युवाओं को पढ़ाई के दौरान सीखते हुए कमाए यानी (अर्निंग बाई लर्निंग) जिससे युवाओं का रोजगार के प्रति आशान्वित रहकर जीवन यापन का मार्ग प्रशस्त होगा।

युवाओं में बढ़ेगा आत्मविश्वास

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने करार पत्र पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। शिक्षा के साथ उन्हे रोजगार के प्रति उन्मुख करने के लिए लाजिस्टिक सेक्टर स्किल से आज समझौता करार किया गया है। हमें पूर्ण विश्वास है स्किल्ड बेस्ड पाठ्यक्रम से युवाओं में आत्मविश्वास का संचार होगा। जिससे शिक्षा के साथ स्वयं को रोजगार के लिए तैयार कर कॅरियर में शत-प्रतिशत संभावना को तलाशने में सहायता मिलेगी।

समाचार दर्पण

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संपन्न हुई संगोष्ठी

एआई के प्रयोग से चिकित्सा सेवा में तत्परता संभव

समारोह

- समापन समारोह को एसीएस डॉ. मोनिका ने संबोधित किया
- नर्सिंग सेवाओं के लिए कारगर साबित होगी संगोष्ठी : डॉ. अतुल

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित संगोष्ठी के समापन अवसर पर एसीएस डॉ. मोनिका एस गर्ग को सम्मानित करते कुलसचि डॉ. प्रदीप कुमार राव।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। शासन में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. मोनिका एस गर्ग ने चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रयोग पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि एआई का सही उपयोग हो तो चिकित्सा और इससे जुड़े सभी सेवा क्षेत्रों में तत्परता और बढ़ाई जा सकती है। एआई के क्षेत्र में हो रहे शोध इस सेवा क्षेत्र को नई ऊंचाई दे सकते हैं।

अपर मुख्य सचिव बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के लिए नर्सों को एआई से जुड़ने में अभिरुचि दिखानी चाहिए। नर्स, एक डॉक्टर से अधिक समय मरीज के पास रहती है। मरीज से नियमित संवाद कर मनोबल बढ़ाती है। एक कुशल नर्स इन बातों को भी समझाती है कि रोगी को घर जाने के बाद किन सावधानियों को अपनाना है।

गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. डीसी ठाकुर ने कहा है कि प्रशिक्षित नर्सों की आवश्यकता वैश्विक स्तर पर महसूस की जा रही है। भारतीय नर्सेज देश ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में मानवता की सेवा को व्यापक आयाम देने में नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं। नर्सों के बगैर चिकित्सा सेवा क्षेत्र अपूर्ण है। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्रशिक्षण के दौरान कौशल विकास के साथ नर्स में मानवीय गुणों के विकास पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। यही कारण है कि यहां से पास आउट नर्सों का शत प्रतिशत प्लेसमेंट होता है।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि संगोष्ठी में मंथन से निकले निष्कर्ष भविष्य की नर्सिंग सेवाओं के लिए काफी कारगर साबित होंगे। उन्होंने नर्सिंग की छात्राओं एआई के विषय में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा ने सभी के प्रति आभार जताया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल डॉ. मंजूनाथ एनएस की सक्रिय सहभागिता रही।

एआई के उपयोग से बढ़ाई जा सकती है चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता : डॉ. मोनिका

नर्सिंग सेवाओं के लिए कारगर साबित होंगे अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के निष्कर्ष : डॉ. वाजपेयी

अमर उजाला ब्यूरो

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ करतीं मुख्य अतिथि डॉ.मोनिका एस. गर्ग व अन्य। संवाद

गोरखपुर। अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग डॉ. मोनिका एस. गर्ग ने चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सही उपयोग हो तो चिकित्सा और इससे जुड़े सभी सेवा क्षेत्रों में गुणवत्ता और बढ़ाई जा सकती है। एआई के क्षेत्र में हो रहे शोध इस सेवा क्षेत्र को नई ऊंचाई दे सकते हैं।

डॉ. मोनिका एस. गर्ग बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के लिए नर्सों को एआई से जुड़ने में अभिरुचि दिखानी चाहिए। नर्स, एक डॉक्टर से अधिक समय रोगी के पास व्यतीत करतीं हैं। कुशल नर्स इन बातों को भी समझाती हैं कि रोगी को घर जाने के बाद किन सावधानियों को अपनाना है। ऐसे में यह भी आवश्यक है कि इस सेवा क्षेत्र में आ रहे परिवर्तन को भी एआई जैसे नवीन तकनीकी माध्यमों से समझा जाए।

विशिष्ट अतिथि गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, गोरखपुर के निदेशक डॉ. डीसी ठाकुर ने कहा है कि पारंपरिक नर्सिंग ज्ञान के साथ प्रौद्योगिकी आधारित नए कौशल को अपनाकर भारतीय नर्सेज देश ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में मानवता की सेवा को व्यापक आयाम देने में नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं।

प्रौद्योगिकी को अपनाकर नई ऊंचाई को छू सकता है नर्सिंग सेवा क्षेत्र : डॉ. ठाकुर

अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि संगोष्ठी में मंथन से निकले निष्कर्ष भविष्य की नर्सिंग सेवाओं के लिए काफी कारगर साबित होंगे। उन्होंने नर्सिंग की छात्राओं को एआई के विषय में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा ने आभार जताया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्रिंसिपल डॉ. मंजूनाथ एनएस समेत सभी शिक्षक व प्रशिक्षक मौजूद रहे।

विज्ञान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता और क्विज का आयोजन

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय में बुधवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. प्रवीण सिंह ने स्वागत भाषण से किया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में 6 व क्विज प्रतियोगिता में कुल 33 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह ने आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. विमल कुमार दुबे, डॉ. विकाश कुमार यादव, डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. एस प्रेम कुमारी व स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्राएं उपस्थित रहे।

रोगियों की सेवा ही परिचारिका का सबसे बड़ा धर्म: प्रो. एके सिंह

- गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में दीप प्रज्वलन एवं सेवा शपथ ग्रहण समारोह
- गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग की परिचारिकाएं दक्ष एवं सेवाभावी: डॉ. मोनिका गर्ग

संवाददाता

गोरखपुर। चिकित्सक सिर्फ दवा लिखते हैं जबकि परिचारिकाएं रोगियों के पास सर्वाधिक समय व्यतीत करते हुए उन्हें दवा देती हैं। उनकी देखभाल करती हैं। रोगी को स्वस्थ करने उन्हें मानसिक रूप से लड़ने को तैयार करने में परिचारिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वास्तव में परिचारिकाओं की भूमिका हमें यह बताती है कि रोगियों की सेवा से बढ़कर कोई और धर्म नहीं है। यह बातें महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहीं। वह कुशवार को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रदीप प्रज्वलन एवं सेवा शपथ ग्रहण समारोहर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो. सिंह ने कहा कि एक सफल एवं कुशल परिचारिका के लिए अनुरक्ति, सत्यता, दक्षता और बुद्धिमता जैसे गुण आवश्यक होते हैं। उन्होंने नर्सों की मेडिकल क्षेत्र में भूमिका को समझाते हुए शपथ समारोह में शामिल छात्राओं को पूर्ण मनोयोग और निष्ठा से काम करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह की विशिष्ट अतिथि अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग डॉ. मोनिका एस. गर्ग ने कहा कि गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि नर्सिंग कॉलेज आफ नर्सिंग से पढ़कर निकली परिचारिकाएं अन्य संस्थानों की परिचारिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावी, अधिक दक्ष और अधिक सेवाभावी होंगी। कारण, यहां की प्रशिक्षित परिचारिकाएं संस्थान के पाठ्यक्रम के साथ धर्म-अध्यात्म के बल पर सेवा की जो प्रेरणा प्राप्त कर रही हैं वह बेमिसाल है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि नर्सिंग कॉलेज आफ नर्सिंग से पढ़कर निकली परिचारिकाएं अन्य संस्थानों की परिचारिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावी, अधिक दक्ष और अधिक सेवाभावी होंगी। कारण, यहां की प्रशिक्षित परिचारिकाएं संस्थान के पाठ्यक्रम के साथ धर्म-अध्यात्म के बल पर सेवा की जो प्रेरणा प्राप्त कर रही हैं वह बेमिसाल है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि नर्सिंग प्रशिक्षुओं ने आज जिस प्रज्वलित दीप के समक्ष जो प्रतिज्ञा की है, वह सेवा संकल्प का दीप है। सेवा के इस प्रतिज्ञा दीप से चिकित्सा जगत अधिक संपन्न और प्रकाशित होगा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि श्रीगोरक्षपीठ की तरफ से चिकित्सा एवं शिक्षा के लिए 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने ऐसा दीप जलाया जो आज विस्तृत फलक पर प्रकाशित हो रहा है। इस दीप को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज और उनके बाद इस विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलाधिपति गोरक्षपीठाधीश्वर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाशित किया है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग प्रशिक्षुओं का दीप प्रज्वलन समारोह उसी सात्विक परंपरा में सेवा शपथ का हिस्सा है जो श्रीगोरक्षपीठ की संस्थाएं लोक कल्याण के लिए लेती रहती हैं।

इस अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के तीन सौ प्रशिक्षुओं को सेवा शपथ दिलाई। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव समेत सभी शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन पैरा मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल रोहित कुमार श्रीवास्तव ने किया।

29/2/2024 हिन्दुस्तान

प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है आयुर्वेद

व्याख्यान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। लाल बहादुर शास्त्री आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणाली में से एक है। आयुर्वेद का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्तियों को स्वस्थ रखना एवं रोग हो जाने पर उनका निवारण करना है।

प्रो. तोमर बुधवार को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित अतिथि व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पूरे विश्व को स्वास्थ्य संबंधी आपातस्थितियों से बचाव एवं बेहतर स्वास्थ एवं कल्याण के लिए चार लक्ष्य निर्धारित किये हैं। इसमें रोग उत्पन्न होने से रोकथाम, रोग होने पर उपचार, रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास तथा रोगी व्यक्ति के स्वास्थ का पुनर्वास करना शामिल है। आयुर्वेद के सिद्धांत सदियों से इन्ही लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं।

प्रो. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद में दिनचर्या, ऋतुचर्या, सदवृत व रसायन रोगों के रोकथाम का उपाय बताते हैं। आचार्य चरक ने कहा है कि विश्व मे कोई भी ऐसा द्रव्य नही है जो औषधि ना हो। बस जरूरत है सूझबूझ के साथ प्रयोग करने की। रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि के लिए आयुर्वेद मे रसायन औषधि का प्रयोग का वर्णन है।

भेषज विज्ञान संकाय में भी व्याख्यान का आयोजन

भेषज विज्ञान संकाय में भी बी फार्मा और डी फार्मा के विद्यार्थियों के लिए श्रीअन्न एवं न्यूट्रिशन पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में डॉ जीएस तोमर ने कहा कि सभी लोगों को श्रीअन्न (मिलेट्स) को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए। ये श्रीअन्न पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। पुराने समय में लोग ज्यादातर इनका सेवन करते थे इसलिए रोग की चपेट में कम आते थे। श्रीअन्न ना केवल रोगों से बचाव करता है, साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा कर संक्रमण से भी निजात दिलाता है। कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रो. तोमर को स्मृति ग्रंथ देकर सम्मानित किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

समाचार दर्पण

विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणाली में से एक है आयुर्वेद : प्रो. तोमर

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में हुआ व्याख्यान

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। लाल बहादुर शास्त्री आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणाली में से एक है। आयुर्वेद का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्तियों को स्वस्थ रखना एवं रोग होने पर उनका निवारण करना है।

प्रो. तोमर बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित अतिथि व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पूरे विश्व को स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों से बचाव एवं बेहतर स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए चार लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इसमें रोग उत्पन्न होने से रोकथाम, रोग होने पर उपचार, रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास तथा रोगी व्यक्ति के स्वास्थ्य का पुनर्वास करना शामिल है। आयुर्वेद के सिद्धांत सदियों से इन्ही लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने अपने अनुभव को विद्यार्थियों से साझा किया और कहा कि आज का युग साक्ष्य मांगता है।

प्रो. जीएस तोमर को स्मृति ग्रंथ देकर सम्मानित किया। स्रोत- विश्वविद्यालय

भेषज विज्ञान संकाय में भी व्याख्यान का आयोजन

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के भेषज विज्ञान संकाय में भी बी फॉर्मा और डी फॉर्मा के विद्यार्थियों के लिए 'श्रीअन्न एवं न्यूट्रिशन' पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में लाल बहादुर शास्त्री आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने कहा कि सभी लोगों को श्रीअन्न (मिलैट्स) को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए।

बीबीए आनर्स चलाएगा गोरखनाथ विश्वविद्यालय

- गोरखनाथ विवि ने लाजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल से किया करार
- विशेषज्ञों ने बीबीए लाजिस्टिक कोर्स की उपयोगिता की दी जानकारी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : स्किल इंडिया मिशन के तहत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से लाजिस्टिक के क्षेत्र में बीबीए आनर्स का पाठ्यक्रम शुरू होगा। लाजिस्टिक अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के तहत इसे शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय ने लाजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल के साथ करार किया है। गुरुवार को लाजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल के प्रो. एस. गणेशन, प्रो. गायत्री एच, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र भारती, अधिष्ठाता प्रो .सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता कृषि डा. विमल कुमार दुबे और परीक्षा नियंत्रक अमित सिंह की उपस्थिति में करारनामे पर हस्ताक्षर किया गया। इसके बाद लाजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल के विशेषज्ञों ने बीबीए लाजिस्टिक कोर्स के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यूजीसी के मानकों पर आधारित स्किल्ड बेस्ड पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

प्रो. एस. गणेशन ने कहा कि लाजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार गारंटी देने के लिए अनुबंध कर रहा है। इससे युवाओं को पढ़ाई के दौरान स्किल ट्रेनिंग के साथ शत-प्रतिशत रोजगार के प्रति संकल्पित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने लाजिस्टिक सेक्टर स्किल के साथ हुए समझौता पत्र पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। शिक्षा के साथ उन्हें रोजगार के प्रति उन्मुख करने के लिए लाजिस्टिक सेक्टर स्किल से आज समझौता करार किया गया है।

हस्ताक्षर के बाद करारनामा दिखाते गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव व अन्य ● सौ. जोवि

राष्ट्रीय स्वरूप

सड़क सुरक्षा अभियान में महायोगी गोरखनाथ विवि को राज्य स्तरीय सम्मान

रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय एवं छात्र शिवम पाण्डेय को मिला पुरस्कार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय और छात्र शिवम पांडेय को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सम्मानित किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनमानस को जागरूक करने के लिए प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए धनंजय पांडेय और शिवम पांडेय को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी तथा कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की अनुभूति का क्षण है। सड़क सुरक्षा अभियान में विश्वविद्यालय ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र हित में बेहतर योगदान देने का प्रयास किया है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के प्रतिभागी बने महायोगी गोरखनाथ विवि के दो विद्यार्थी

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दो विद्यार्थियों ने नेहरू युवा केंद्र की तरफ से राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव में प्रतिभाग किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का परिणाम आगामी कुछ दिनों में जारी किया जाएगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान (आयुर्वेद संकाय) के बीएएमएस पाठ्यक्रम में अध्यनरत नितेश प्रताप सिंह ने नेहरू युवा केंद्र गोरखपुर द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय मोबाइल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया था। जबकि पेंटिंग प्रतियोगिता में जाह्नवी राय ने द्वितीय स्थान हासिल किया था। ये दोनों बीएएमएस 2021-22, चरक बैच के विद्यार्थी हैं। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में श्रेष्ठता के आधार पर दोनों का चयन भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ था।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता कल संपन्न हुई और इसका परिणाम कुछ दिनों में घोषित किया जाएगा। नितेश और जाह्नवी के जनपदीय प्रतियोगिता में विजेता बनने और राज्य प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव समेत पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने बधाई दी है।

निमार्णाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन फॉर्मेसी संकाय (दृश्य-1)

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय (दृश्य-2)

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 श्रीरामोत्सव आयोजन

02 डॉ. एम.एल.बी. भट्ट एवं माननीय कुलपति महोदय

03 बंसत पंचमी आयोजन

04 डॉ. नीतू सिंह

05 डॉ. अलका सक्सेना एवं प्रो. (डॉ.) राजेन्द्र भारती

06 श्रीमती मोनिका एस. गर्ग, अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग

07 दीप प्रज्ज्वलन एवं शपथग्रहण समारोह

08 मतदाता अभियान के अंतर्गत आयोजित सेल्फी प्वाइंट में सेल्फी लेते माननीय कुलपति, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

09 दीप प्रज्ज्वलन एवं शपथग्रहण समारोह

10 समझौता ज्ञापन

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur